छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 182 ■ अम्बिकापुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

घर की हिफाजत के लिये रुके कर्मचारी ने ही साथियों के साथ मिलकर 5 लाख उड़ाया

घबराते पड़ोसी के यहां पहुंचा और बताया हाथ-पैर बांधकर घर में घुसे अनजान लोग

पुलिस टीम ने विधि से संघर्षरत बालक सहित 4 को गिरफ्तार करके नकदी बरामद किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। थाना गांधीनगर एवं साइबर सेल पुलिस टीम ने चंद घंटे के भीतर बड़ी चोरी का पर्दाफास करते हुये विधि से संघर्षरत बालकों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किये गये 5 लाख रुपये और घटना में प्रयुक्त मोटरसायकल को पुलिस ने बरामद कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, सुभाष अग्रवाल निवासी जवाहर मार्केट कॉलोनी, बनारस चौक ने रिपोर्ट दर्ज कराया था कि, 11 जुलाई को वे अपने दोस्तों और परिवार के साथ सतरंगा कोरबा गये थे, और घर में काम करने वाले ईश्वर यादव को घर में सोने के लिये छोड़ा था। रात में सभी सतरंगा में रूक गये। इसी रात करीब 3.30 बजे पड़ोसी ने फोन करके बताया कि उनके घर में काम करने वाला युवक ईश्वर यादव उनके घर में सो रहा था, जो बहुत घबराया हुआ है और बता रहा है कि रात में कोई व्यक्ति घर में घुसकर कपड़े से उसका हाथ-पैर बांध दिया था। वह किसी तरह अपने हाथ-पैर को खोलकर घटना की जानकारी देने के लिये आया है। इससे अवगत होने के बाद पड़ोसी सुभाष अग्रवाल के यहां गया तो घर का पूरा लाइट और इन्वर्टर बंद था। लाइट जलाकर देखने पर पता चला कि घर के अंदर लगे दरवाजे का कुंडी टूटा है, और अलमारी खुला था। इसकी जानकारी मिलने पर सुभाष अग्रवाल वापस अंबिकापुर आये तो पता चला कि अलमारी के अंदर तिजोरी में रखा 5 लाख रुपये और शादी के समय के जेवरात गायब हैं।

जेवरों को अन्यत्र रख दी थी पत्नी

मामले को डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल ने संज्ञान में लिया और गांधीनगर थाना पुलिस और साइबर पुलिस की टीम को निर्देश दिये थे। विवेचना में सामने आया कि, तिजोरी में रखे सोने के जेवरों को उनकी पत्नी अन्यत्र स्थान पर रख दी थी। ऐसे में चोरों ने सिर्फ नकद रकम पर हाथ साफ किया था। इसके बाद पुलिस के लिये नकद रकम बरामद करना चुनौती था, लेकिन पुलिस की निगाह उस कर्मचारी पर टिकी थी, जो चोरी की वारदात के दौरान घर की रखवाली कर रहा था।

सुनियोजित तरीके से की वारदात

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुये घर में काम करने वाले ईश्वर यादव पिता उग्रसेन यादव 32 वर्ष निवासी कोना, थाना बगीचा जिला जशपुर और ड्राइवर संदीप कुमार साहू पिता राज कुमार साहू 21 वर्ष निवासी महुआपारा थाना सूरजपुर, हाल मुकाम फुंदुरडिहारी से पूछताछ की तो सामने आया कि, दोनों ने अपने साथी अनुराग दास पिता तिलक दास 19 वर्ष निवासी कुंवरपुर थाना लखनपुर एवं एक विधि से संघर्षरत बालक के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई और सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया है।

पड़ोसी को दी मनगढ़त जानकारी

ईश्वर यादव ने अज्ञात लोगों के द्वारा हाथ-पैर बांधकर चोरी करने की पड़ोसी को दी गई जानकारी को मनगढ़ंत होना बताया। पूर्व में पकड़ में आये घर में काम करने वाले कर्मचारी और चालक से पूछताछ के बाद पुलिस ने इनकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों को कब्जे में लिया और इनके कब्जे से 05 लाख रुपये नकद एवं घटना के दौरान प्रयुक्त होण्डा साइन मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 ईबी 0739 को जब्त कर लिया है।

कार्रवाई में ये रहे सक्रिय

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, उप निरीक्षक दिलीप दुबे, साइबर सेल प्रभारी सहायक उप निरीक्षक अजीत मिश्रा, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, जयदीप सिंह, विकास सिन्हा, आरक्षक विकास मिश्रा, मनीष सिंह, सुल्तान अहमद, विकास सिंह, राहुल सिंह, राहुल गुप्ता, रमन मण्डल सक्रिय रहे।

अजाक थाने में पंजीबद्ध मामलों में दोषमुक्ति के प्रकरणों की अधिकता

आईजी ने रेंज के सभी डीएसपी अजाक की समीक्षा बैठक में जताई चिंता

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज द्वारा सोमवार को रेंज अंतर्गत जिलों के समस्त उप पुलिस अधीक्षक (अजाक) की समीक्षा बैठक आयोजित कर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम अंतर्गत पंजीबद्ध प्रकरणों, पीड़ितों को प्रदाय की जाने वाली राहत, मुआवजा राशि तथा न्यायालयीन प्रकरणों में दोषसिद्धि की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस महानिरीक्षक ने दोषमुक्त प्रकरणों की अधिकता पर चिंता जाहिर की, और इसके कारणों की समीक्षा करने कहा।

समीक्षा में बताया गया कि, वर्ष 2024 में 224 प्रकरण दर्ज हुए। अपराध दर्ज होने के पश्चात् 187 प्रकरण में राहत राशि का प्रथम किस्त प्राप्त हुआ। वर्ष 2025 में 319 प्रकरण दर्ज हुए। अपराध दर्ज होने के पश्चात् 228 प्रकरण में राहत राशि का प्रथम किस्त प्राप्त हुआ। वर्ष 2026 में 140 प्रकरण दर्ज हुए। अपराध दर्ज होने के पश्चात् 54 प्रकरण में राहत राशि का प्रथम किस्त प्राप्त हुआ। इसी प्रकार न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने के बाद एवं दोषसिद्धि पश्चात् पीड़ित पक्ष को मिलने वाले द्वितीय एवं तृतीय किस्त के लंबित रहने के संबंध में शीघ्र निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक ने सभी डीएसपी (अजाक) को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने जिलों में लंबित राहत राशि, जाति प्रमाण-पत्र संबंधी लंबित प्रकरणों तथा न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के पीड़ितों को त्वरित राहत, गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं प्रभावी न्याय प्राप्त हो।

जाति प्रमाण-पत्र के अभाव में विलंब पर नाराजगी

बैठक में विशेष रूप से यह पाया गया कि अनेक प्रकरणों में जाति प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं होने अथवा जिला स्तरीय समितियों के स्तर पर प्रकरण लंबित रहने के कारण पीड़ितों को नियमानुसार मिलने वाली राहत राशि के भुगतान में विलंब हो रहा है। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि ऐसे सभी लंबित प्रकरणों की प्रकरणवार समीक्षा की जाए तथा जिला प्रशासन, आदिम जाति कल्याण विभाग एवं संबंधित सक्षम अधिकारियों से प्रभावी समन्वय स्थापित कर आवश्यक जाति प्रमाण-पत्र एवं अन्य दस्तावेज शीघ्र उपलब्ध कराए जाएं। किसी भी पात्र पीड़ित को प्रक्रियागत अथवा समन्वय की कमी के कारण राहत राशि के लिए अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

कम दोषसिद्धि दर पर जताई चिंता

बैठक में अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रकरणों में अपेक्षाकृत कम दोषसिद्धि दर पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। पुलिस महानिरीक्षक ने निर्देश दिया कि दोषमुक्त हुए प्रकरणों का गहन विश्लेषण कर दोषमुक्ति के वास्तविक कारणों, विवेचना में कमी, साक्ष्य संकलन की त्रुटि, गवाहों का पक्षद्रोही होना, चिकित्सकीय अथवा वैज्ञानिक साक्ष्य की कमी तथा अभियोजन स्तर की कमियों की पहचान की जाए। उन्होंने कहा कि इन प्रकरणों की विवेचना केवल समय-सीमा में पूर्ण करना ही पर्याप्त नहीं है, विवेचना की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। न्यायालय में विचाराधीन महत्वपूर्ण प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करने, गवाहों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक दोषमुक्ति प्रकरण की समीक्षा कर उससे प्राप्त निष्कर्षों को भविष्य की विवेचना में लागू करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

समीक्षा बैठक के दौरान सर्व डीएसपी अजाक सरगुजा सुरेश भगत, सुरजपुर रीना नीलम कुजूर, एमसीबी तर्सिल्ला टोप्पो, कोरिया नेल्सन कुजूर, बलरामपुर कमलेश्वर भगत उपस्थित रहे। डीएसपी अजाक जशपुर भावेश समरथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े रहे।

संभाग स्तरीय जूनियर शतरंज प्रतियोगिता 19 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शतरंज संघ सरगुजा के तत्वावधान में 19 जुलाई रविवार को स्व. जी.एच. रायसोनी मेमोरियल जूनियर रैपिड शतरंज चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता 'शतरंज भवन, गांधी स्टेडियम' में होगी। उद्घाटन सुबह 9 बजे और पहले राउंड के मैच 10 बजे से शुरू होंगे।

प्रतियोगिता अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग में होगी। प्रत्येक वर्ग के विजेता को 1200 रुपये नकद, ट्रॉफी, उपविजेता को 900 रुपये और ट्रॉफी, तीसरे और चैथे स्थान पर मोमेंटो दिया जाएगा।

प्रतियोगिता के प्रत्येक वर्ग के टॉप-4 बालक-बालिका कुल 56 खिलाड़ियों का चयन रायपुर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के लिये प्रवेश शुल्क 400 रुपये रखा गया है। अंतिम तिथि 15 जुलाई शाम 5 बजे तक और विलंब शुल्क 200 रुपये के साथ 16 जुलाई तक प्रतियोगिता में शामिल हो सकते हैं। इसके लिये अंतरराष्ट्रीय आर्बिटर अनिश अंसारी से 6261980179, सीनियर नेशनल आर्बिटर प्रदीप मंडल से 9981598072 में संपर्क किया जा सकता है। उक्त जानकारी शतरंज संघ सरगुजा के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राणा ने दी।

विवाहिता फांसी पर झूली, मायके पक्ष का आरोप-कार के लिये कर दी हत्या

पोस्टमार्टम के समय नदारद रहे पति सहित अन्य, 50 मीटर के फासले पर मायका-ससुराल

मासूम बच्ची के सिर से मां का साया हटा, घटना से स्वजन शोक में, कहा-न्याय चाहिये

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुनिया में 23 वर्षीय विवाहिता मिनी यादव उर्फ पूजा संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर झूल गई। ससुराल पक्ष जहां इसे फांसी लगाकर खुदकुशी करना बता रहा है, वहीं मायके पक्ष के लोगों ने दहेज में कार की मांग को लेकर आये दिन मारपीट करने और हत्या के बाद फांसी का रूप देने का आरोप लगाया है। नवविवाहिता की एक दुधमुंही बच्ची है, जिसके सिर से मां का साया हट गया है। घटना के बाद नर्मदापुर स्वास्थ्य केंद्र में दोनों पक्षों में तनाव, मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई थी, और पुलिस को मध्यस्थता करनी पड़ी। फारेंसिक जांच कार्रवाई के बाद लग रहे आरोप-प्रत्यारोपों को देखते हुये पुलिस ने मृतिका के शव को मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर भेज दिया था। सोमवार को पोस्टमार्टम के दौरान ससुराल पक्ष से पति सहित अन्य सदस्य नदारद रहे।

जानकारी के मुताबिक, 11 जुलाई की रात करीब 8 बजे मिनी पति अनुज यादव अपने ससुराल घर के परछी में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। पुलिस को ससुराल पक्ष के लोगों ने बताया है कि, घटना के समय घर में उसके सास-ससुर सहित अन्य परिवार के सदस्य थे, पति नहीं था। घटना के पहले मिनी रसोई में पकौड़ा बना रही थी, फिर उसका पता नहीं चला। जब वे खोजबीन में जुटे तो वह घर के परछी में फांसी पर लटके दिखाई दी। ससुराल पक्ष के लोग फांसी का फंदा काटकर उसे गांव के लोग के सहयोग से आनन-फानन में नर्मदापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मायके पक्ष के द्वारा हत्या का आरोप लगाने और चिकित्सकों की टीम से पोस्टमार्टम की मांग पर मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के लिये मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लाया गया। रविवार को पोस्टमार्टम पूर्व की प्रक्रिया में देर होने के कारण सोमवार को डॉक्टरों की टीम और मायके पक्ष की मौजूदगी में मृतिका के शव का पोस्टमार्टम हुआ। इसके पहले न्यायिक अधिकारी की उपस्थिति में मृतिका के शव की पंचनामा प्रक्रिया पूरी की गई थी। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव मृतिका के स्वजन के सुपुर्द कर दिया है, और अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

मायका 50 मीटर पर, नहीं दी खबर-मृतिका के मायके पक्ष का कहना है कि घटना की सूचना उन्हें नहीं दी गई, जबकि उनकी बेटी के ससुराल और मायके की दूरी महज 50 मीटर है। बेटी के फांसी लगा लेने की खबर मिलने पर मायके पक्ष से पिता संजय यादव व मृतिका के भाई सहित अन्य स्वजन जब अस्पताल पहुंचे, तो मिनी की मौत का पता चला। घटनास्थल की स्थिति को देखने के बाद इन्होंने मृत्यु को लेकर संदेह जताया है। इनका कहना है कि दुधमुंही बच्ची को हमेशा सीने से लगाकर रखने वाली उनकी बेटी खुदकुशी जैसा कदम नहीं उठा सकती है।

कार के लिये बना रहे थे दबाव-मृतिका के पिता संजय यादव, भाई कुश यादव सहित अन्य संबंधियों का आरोप है कि मिनी की हत्या करने के बाद आत्महत्या का रूप देने की कोशिश पति अनुज यादव ने अपने माता-पिता सहित परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर की है। मृतिका के पिता ने कहा शादी के कुछ महीनों बाद से ही कार के लिये उनकी बेटी पर दबाव बनाया जा रहा था, जबकि उन्होंने शादी के समय अपनी हैसियत के अनुरूप 50 डिसमिल जमीन के अलावा सबकुछ देकर बेटी को विदा किया था। ससुराल में मिल रही प्रताड़ना की जानकारी उन्हें बेटी से मिली थी, तो वे समझाइश देकर उसे शांत कर देते थे। हालात ऐसे बनेंगे, इसकी कल्पना उन्होंने नहीं की थी।

बहन से मिलने नहीं भेजा मायके-मृतिका के पिता ने बताया कि घर और ससुराल के बीच महज 50 मीटर की दूरी होने के बाद भी उनकी बेटी को मायके वालों से मिलने नहीं दिया जाता था। संजय यादव ने बताया कि उनकी एक पुत्री का विवाह बलरामपुर जिला के राजपुर में हुआ है। जब वह मायके ग्राम कुनिया आई थी, तो उन्होंने मिनी से मुलाकात हो जायेगा, सोचकर उसे बुलाने की काफी कोशिश की लेकिन उसे नहीं आने दिया गया। एक ही गांव में रहकर वे करीब साल भर से वे अपनी बेटी और नतनिन से मिलने के लिये तरस रहे थे। आरोप है कि जहां मृतिका को फांसी पर लटकना बताया जा रहा है, वहां खून के छींटे और टूटी चूड़ी मिली है।

बाल पकड़कर कर रहे थे मारपीट-मृतिका के भाई कुश यादव ने बताया कि घटना के कुछ दिन पहले बहन के ससुराल में शोर-शराबा सुनकर जब वह गया तो मासूम बच्ची की परवाह किये बगैर उसकी बहन मिनी के साथ बाल पकड़कर सास धनेश्वरी यादव, ससुर गोवर्धन यादव, ननद व पति अनुज यादव मारपीट कर रहे थे, इसकी जानकारी वह घर आकर दिया था। 11 जुलाई की शाम को भी वह अपनी बहन से मोबाइल फोन पर बात किया था, लेकिन पूरे परिवार की मौजूदगी रहने के कारण वह कुछ नहीं बता पाई थी। बच्ची के जन्म के पूर्व मृतिका के सास-ससुर ने गर्भपात के लिये भी दबाव बनाने का आरोप है, हालांकि पति इसके लिये राजी नहीं था।

शासकीय सुकर फार्म, सकालोमें अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल जारी

भारत में पहली बार एएसएफ वैक्सीन का परीक्षण, भोपाल के वैज्ञानिक कर रहे हैं मूल्यांकन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शासकीय सुकर फार्म, सुकर फार्म, सकालो अंबिकापुर में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल मार्च माह से वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप जारी है। यह परीक्षण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज (एनआईएचएसएडी), भोपाल द्वारा संचालित किया जा रहा है। वैक्सीन का विकास भी एनआईएचएसएडी भोपाल के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। फार्म प्रबंधक डॉ. अजय अग्रवाल ने बताया कि वैक्सीन ट्रायल मार्च माह से प्रारंभ किया गया है। ट्रायल के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए एनआईएचएसएडी, भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजू कुमार 8 जुलाई को शासकीय सुकर फार्म, सकालो पहुंचे। उन्होंने ट्रायल की प्रगति का अवलोकन किया तथा ब्लड, सीरम एवं नेजल सैंपल एकत्रित कर वैज्ञानिक परीक्षण हेतु सुरक्षित किया। यह ट्रायल पशुपालन विभाग के संचालक के निर्देश एवं मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार अफ्रीकन स्वाइन फीवर सूकरों में होने वाला अत्यंत घातक वायरल रोग है, जो घरेलू एवं जंगली दोनों प्रकार के सूकरों को प्रभावित करता है। इस रोग में मृत्यु दर अत्यधिक होती है तथा वर्तमान में इसका कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। संक्रमित पशुओं को केवल लक्षणों के आधार पर सहायक उपचार दिया जा सकता है, किंतु इससे रोग का प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं हो पाता। उल्लेखनीय है कि भारत में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का यह पहला ट्रायल है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में के लिए कोई पूर्ण रूप से स्वीकृत व्यावसायिक वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह परीक्षण सूकर पालन क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वैक्सीन के ट्रायल में प्रोटोकॉल का हो रहा पालन

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सी.के. मिश्रा ने बताया कि शासकीय सुकर फार्म, सुकर फार्म, सकालो में वैक्सीन का ट्रायल वैज्ञानिक मानकों एवं जैव-सुरक्षा (बायोसिक्योरिटी) प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करते हुए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो भविष्य में यह वैक्सीन भारत सहित विश्वभर के सूकर पालकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी तथा अफ्रीकन स्वाइन फीवर से होने वाली भारी आर्थिक क्षति को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

दशहरा खेल मैदान पर अवैध कब्जे की कोशिश, ग्रामीण हुये आक्रोशित

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। विकासखंड के ग्राम पंचायत जुनवानी के दशहरा खेल मैदान पर अवैध तरीके से कब्जा करने की नियत से जुतायी करने का मामला सामने आया है। उक्त भूमि पर ट्रेक्टर से जुतायी कर खेती करने का प्रयास ग्राम के ही एक व्यक्ति द्वारा किया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि उक्त व्यक्ति गांव का ही निवासी है और एक एनजीओ में कार्य करता है। इसके द्वारा खेल मैदान को अपनी निजी संपत्ति बताकर अवैध कब्जा करते हुए जबरदस्ती खेती करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि युवाओं और बच्चों के द्वारा खेल मैदान तथा प्रत्येक वर्ष रावण दहन कार्यक्रम सहित अन्य गतिविधियों के लिए किया जाता है। मैदान की जुतायी करने से खेल व अन्य गतिविधियां बाधित हो गई हैं। आक्रोशित ग्रामवासियों ने जिला प्रशासन से इसे तुरंत संज्ञान लेते हुए मैदान को पूर्ववत किये जाने और दोषी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

वीबी जी राम जी के तहत अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराएं : कलेक्टर

★ कलेक्टर ने जनहित के कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश ★ पुनर्वास नीति-2025 के तहत पात्र हितग्राहियों को मिले शासन की योजनाओं का लाभ ★ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश, शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य ★ मुख्यमंत्री हेल्पलाईन, जनदर्शन के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण के निर्देश ★ समय-सीमा की बैठक संपन्न

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सोमवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में श्रीमती त्रिपाठी ने विभागीय कार्यों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा जनहित से जुड़े सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने वीबी जी रामजी के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक रोजगार स्वीकृत करने एवं पात्र हितग्राहियों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नियमित रूप से मैदानी भ्रमण कर कार्यों की वास्तविक स्थिति का अवलोकन करें तथा कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की समीक्षा करते हुए बेहतर प्रबंधन एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति-2025 के तहत प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की योजनाओं का लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पहुंचाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित व्यक्तियों एवं

परिवारों को राहत प्रदान करना तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि नीति के अंतर्गत नक्सली हिंसा में मृत व्यक्तियों के परिजन, आत्मसमर्पित नक्सली, नक्सली हिंसा में घायल आम नागरिक तथा जिनकी संपत्ति को क्षति पहुंची है, ऐसे प्रभावित परिवारों को पात्रता के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया जाना है।

कलेक्टर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने संबंधित सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हुए रोजगार से जोड़ने के लिए पात्र हितग्राहियों की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने, मध्यान्ह भोजन में हरी सब्जी उपलब्ध कराने तथा सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे व्यवस्थाओं में सुधार हो सके। कलेक्टर ने बैग एवं गणवेश वितरण की जानकारी लेते हुए सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों एवं गणवेश का वितरण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत वितरण की जानकारी लेते हुए शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने जाति एवं आय प्रमाण-पत्र शिविरों का सफलतापूर्वक संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यूडीआईडी की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में स्कूल जतन योजना के अंतर्गत नवीन शौचालय निर्माण, वर्ष 2024-25 के पूर्ण कार्यों का मैदानी सत्यापन तथा अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही वर्ष 2025-26 के स्वीकृत कार्यों में तेजी लाने को कहा।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन की सुरक्षित एवं सुगम आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने खाद एवं बीज की उपलब्धता, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) प्रकरणों तथा विकासखंडवार एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए पंजीयन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल तथा कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त लंबित शिकायतों एवं आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, बंटवारा सहित लंबित राजस्व प्रकरणों तथा लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

बैठक में अपर कलेक्टर आर. एस. लाल, प्रमोद गुप्ता, आर. एन. पाण्डेय, सर्व अनुविभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कूलर में आए हाई वोल्टेज करंट से एस. ई. सी. एल. कर्मी की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम मदनपुर सिलफिली में एक एसईसीएल कर्मी की करंट लगने से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि घर के पास लगे ट्रांसफार्मर के अचानक ब्लास्ट होने के बाद विद्युत लाइन में हाई वोल्टेज करंट आ गया, जिससे कमरे में चल रहे कूलर में करंट प्रवाहित हो गया। कूलर को छूते ही युवक उसकी चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय रोविन मंडल मध्यप्रदेश के बिजुरी कॉलरी में कार्यरत था। नौकरी के कारण उसका घर आना कम ही हो पाता था। वह 9 जुलाई की रात ड्यूटी समाप्त कर अपने गृह ग्राम मदनपुर सिलफिली पहुंचा था। बताया जा रहा है कि 10 जुलाई की दोपहर क्षेत्र में बारिश हो रही थी। रोविन नहाने के बाद अपने कमरे में कपड़े बदलकर कूलर के पास खड़ा था और पत्नी से बातचीत कर रहा था। इसी दौरान घर के पास बोरिंग के लिए लगे विद्युत ट्रांसफार्मर में अचानक तेज धमाके के साथ ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट के बाद बिजली लाइन में हाई वोल्टेज करंट दौड़ गया, जो सीधे कूलर में प्रवाहित हो गया। कूलर पर हाथ रखे होने के कारण रोविन को जोरदार करंट लगा और वह जमीन पर गिर पड़ा। पत्नी ने पति को तड़पते देखा तब चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और तत्काल उसे निजी वाहन से अंबिकापुर के होलीक्रॉस अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस मामले की जांच कर रही है, वहीं ग्रामीणों ने विद्युत ट्रांसफार्मर ब्लास्ट और हाई वोल्टेज की घटना की तकनीकी जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

तेज रफ्तार कार घर में घुसी, बाल-बाल टला बड़ा हादसा, मकान की दीवार क्षतिग्रस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सिलफिली-लटोरी मुख्य मार्ग पर रविवार को एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में जा घुसी। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास के लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि दुर्घटना के समय घर के सामने या दीवार के पास कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत महेशपुर निवासी पूरन देवांगन पिता अमृत देवांगन का मकान सिलफिली-लटोरी मार्ग के किनारे स्थित है। रविवार को कार क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 4766 का चालक तेज एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सिलफिली की ओर से लटोरी जा रहा था। इसी दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया और सीधे पूरन देवांगन के मकान की दीवार से जा टकराया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मकान की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद कुछ देर तक क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि वाहन चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हादसे के समय घर के बाहर बच्चे खेल रहे होते या परिवार का कोई सदस्य दीवार के पास होता तो बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता था।

दुर्घटना में केवल मकान को नुकसान पहुंचा है और किसी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल इस मामले में किसी भी पक्ष द्वारा लटोरी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

शराब के नशे में युवक ने अज्ञात कारणों से लगाई फांसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शराब के नशे में धुत युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत खोपा निवासी 40 वर्षीय सुभरन राजवाड़े पिता ठाकुर प्रसाद शराबी प्रवृत्ति का था। युवक ने सोमवार की सुबह शराब के नशे में अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

नवपदस्थ लटोरी तहसीलदार ने पीएचसी अजबनगर का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लटोरी की नवपदस्थ तहसीलदार चंद्रशिला जायसवाल ने पदभार ग्रहण करने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अजबनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं तथा मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। उनके अचानक पहुंचे निरीक्षण से स्वास्थ्य केंद्र का पूरा अमला सतर्क नजर आया।

तहसीलदार ने सबसे पहले गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, सुरक्षित प्रसव की व्यवस्था तथा आने वाले दिनों में संभावित प्रसव की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से पूछा कि वर्तमान में कितनी गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं, पिछले महीने कितने सुरक्षित प्रसव कराए गए और आगामी महीने में कितनी डिलीवरी होने की संभावना है।

स्वास्थ्य केंद्र के स्टाफ ने बताया कि पिछले महीने लगभग सात महिलाओं का

सुरक्षित प्रसव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया था। वहीं अगस्त माह में सात से आठ पंजीकृत प्रसव होने की संभावना है, जिसके लिए आवश्यक तैयारियां पहले से की जा रही हैं। तहसीलदार ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला की नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण, पोषण संबंधी परामर्श और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जाए, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को न्यूनतम रखा जा सके।निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौसमी बीमारियों की रोकथाम, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, अस्पताल की साफ-सफाई, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया कि बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाई जाए और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी रखी जाए। तहसीलदार ने हल्का पटवारी संतोष प्रजापति को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाए। उन्होंने कहा कि सरकारी जमीनों पर लगातार निगरानी रखी जाए तथा अतिक्रमण की सूचना मिलते ही नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक एवं समस्त स्वास्थ्य स्टाफ के अलावा सांसद प्रतिनिधि कन्हाई लाल विश्वास, सुवेंदु चटर्जी, अर्जुन यादव, देवदास सेन गुप्ता, विप्लव मजूमदार सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

शिवनंदनपुर नगर पंचायत में पीआईसी गठन पर सियासी पेच, आदिवासी प्रतिनिधित्व बना सबसे बड़ी बाधा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में अध्यक्ष और पार्षदों के शपथ ग्रहण के बाद अब जिस प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल पीआईसी के गठन का इंतजार किया जा रहा था, वह गठन शुरू होने से पहले ही विवादों और राजनीतिक खींचतान के बीच फंसता नजर आ रहा है। नगर पंचायत में पीआईसी गठन को लेकर ऐसा पेच सामने आया है, जिसने सत्ता पक्ष और प्रशासन दोनों की चिंता बढ़ा दी है। मामले की सबसे बड़ी वजह यह है कि सत्तारूढ़ भाजपा के पास नगर पंचायत में एक भी आदिवासी पार्षद नहीं है, जबकि नगरीय निकायों में पीआईसी गठन के दौरान अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिनिधित्व को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में भाजपा के सामने वैधानिक प्रक्रिया और राजनीतिक संतुलन दोनों बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गई है। इस बीच मामला तब और दिलचस्प हो गया, जब कांग्रेस के दोनों आदिवासी पार्षद विमला देवी सिंह और बृजेंद्र सिंह ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अलग-अलग लिखित आवेदन सौंपते हुए स्पष्ट कर दिया कि उनकी सहमति के बिना उन्हें पीआईसी में शामिल

नहीं किया जाए। दोनों पार्षदों के इस कदम ने नगर पंचायत की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ज्ञात हो कि नगर पंचायत के गठन के बाद यह पहला अवसर है जब पीआईसी का गठन होना है। सामान्यत: पीआईसी को नगर पंचायत की मिनी कैबिनेट माना जाता है, क्योंकि विकास कार्यों, वित्तीय प्रस्तावों और प्रशासनिक निर्णयों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में इसके गठन को लेकर शुरू हुई राजनीतिक उठापटक ने पूरे क्षेत्र का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। जानकारों का कहना है कि यदि कांग्रेस के दोनों आदिवासी पार्षद अपनी सहमति नहीं देते हैं, तो पीआईसी गठन की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इससे सत्ता पक्ष के सामने नई रणनीति बनाने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।सूत्रों के अनुसार कांग्रेस के दोनों आदिवासी पार्षदों ने सीएमओ को दिए गए आवेदन में स्पष्ट किया है कि उनकी पूर्व अनुमति के बिना उनका नाम पीआईसी में शामिल नहीं किया जाए। इसे कांग्रेस की एक सोची-समझी राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। नगर निकायों के जानकारों के अनुसार पीआईसी गठन में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधित्व का ध्यान रखा जाता है। ऐसे में यदि आवश्यक श्रेणी का प्रतिनिधित्व उपलब्ध नहीं है या संबंधित पार्षद शामिल होने से इनकार करते हैं, तो प्रशासन को नियमानुसार आगे की प्रक्रिया तय करनी पड़ती है। अंतिम निर्णय संबंधित सक्षम प्राधिकारी और लागू अधिनियम के प्रावधानों के आधार पर ही होगा।सीएमओ को दोनों पार्षदों के आवेदन मिलने के बाद अब पूरा मामला प्रशासनिक स्तर पर विचाराधीन बताया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन और विधिक राय भी ली जा सकती है, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। ज्ञात हो कि पीआईसी का गठन नगर पंचायत के विकास कार्यों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, निर्माण कार्य, वित्तीय स्वीकृतियां और अन्य विकास योजनाओं से जुड़े कई अहम निर्णय पीआईसी के माध्यम से लिए जाते हैं। ऐसे में यदि गठन में अनावश्यक विलंब होता है तो नवगठित नगर पंचायत के विकास कार्यों की गति भी प्रभावित हो सकती है।

भाजपा के सामने वैधानिक और राजनीतिक चुनौती

नगर पंचायत में अध्यक्ष पद भाजपा के पास है, लेकिन आदिवासी प्रतिनिधित्व के अभाव ने पार्टी के लिए अप्रत्याशित स्थिति पैदा कर दी है। यदि नियमों के तहत आदिवासी प्रतिनिधित्व आवश्यक माना जाता है और विपक्ष सहयोग नहीं करता, तो पीआईसी गठन में देरी होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

दो कांग्रेस पार्षदों का मिला है पत्र

पीआईसी गठन को लेकर कांग्रेस के दो पार्षदों द्वारा मुझे पीआईसी में बिना अनुमति शामिल न किए जाने का पत्र दिया गया है। पीआईसी गठन का विशेषाधिकार अध्यक्ष के पास होता है, इसलिए मेरे द्वारा अध्यक्ष के संज्ञान में उक्त पत्र को लाया जाएगा।

सुनील कुमार सिन्हा
सीएमओ, नपं शिवनंदनपुर

कन्या हायर सेकेंडरी परिसर में नीलगिरी के पेड़ों की कटाई शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। कोयलांचल बिश्रामपुर के बस स्टैंड के समीप स्थित शासकीय आजाक कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल परिसर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 43 किनारे वर्षों पुराने विशालकाय नीलगिरी के पेड़ों की कटाई शुरू कर दी गई। पहले दिन वन विभाग के अमले ने एक दर्जन से अधिक पेड़ों की कटाई पूरी की।

जानकारी के अनुसार कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य आशीष भट्टाचार्य ने स्कूल परिसर एवं आसपास स्थित अत्यधिक ऊंचे और जर्जर हो चुके नीलगिरी के पेड़ों के आंधी तूफान और बारिश के दौरान गिरने से छात्राओं तथा एनएच 43 से गुजरने वाले राहगीरों के लिए संभावित खतरे का हवाला देते हुए जिला प्रशासन से पेड़ों की कटाई की अनुमति मांगी थी।आवेदन के बाद एसडीएम ने राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। निरीक्षण में पाया गया कि परिसर और आसपास करीब 52 नीलगिरी प्रजाति के वृक्षों के साथ कुछ सेमल के पेड़ भी अत्यधिक विशाल और ऊंचे हो चुके हैं। तेज हवा और बारिश के दौरान इनके गिरने से जनहानि की आशंका बनी हुई है। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम ने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 240 एवं 241, छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) की 11 फरवरी 2022 की अधिसूचना तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 152 के तहत वृक्षों की कटाई की अनुमति प्रदान की। इसके बाद वन विभाग ने निर्धारित प्रक्रिया के तहत पेड़ों की कटाई का कार्य प्रारंभ करा दिया है। एसडीएम के आदेश के अनुसार कटाई का कार्य वन विभाग की निगरानी में किया जाएगा। कटे हुए वृक्षों की लकड़ी को वन विभाग डिपो तक पहुंचाकर निर्धारित दर पर उसका मूल्यांकन करेगा तथा प्राप्त राशि का 90 प्रतिशत शासन के खजाने में जमा कराया जाएगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए वन विभाग को कटे हुए पेड़ों की क्षतिपूर्ति के लिए कटे प्रत्येक वृक्ष के बदले 10 गुना पौधरोपण कर उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

रेलवे के रनिंग स्टॉफ के नवगठित सूरजपुर ब्रांच का चुनाव संपन्न

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लोको पायलटों के संगठन ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन की नवगठित सूरजपुर शाखा का प्रथम ब्रांच जनरल मीटिंग ग्राम ऊचडीह स्थित सूरजपुर रोड रेलवे स्टेशन में आयोजित किया गया। इस दौरान शाखा की पहली कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से चयन किया गया।

कार्यक्रम में सूरजपुर रोड, बिलासपुर, रायगढ़, शहडोल और बिजुरी शाखाओं से पहुंचे लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलटों ने भाग लिया। सभा में बताया गया कि वर्ष 2018 में सूरजपुर रोड स्टेशन पर संयुक्त क्रू लॉबी की स्थापना के बाद से ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टॉफ एसोशिएशन, बिजुरी शाखा के अंतर्गत रहकर रनिंग कर्मचारियों के हितों के लिए कार्य कर रहा था। लेकिन लोको पायलटों की बढ़ती संख्या और कार्य घंटे, आवास, अस्पताल, माइलेज सहित स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए स्वतंत्र शाखा की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। इसी उद्देश्य से बिलासपुर मंडल अंतर्गत संगठन की नई सूरजपुर शाखा का गठन किया गया है।

सम्मेलन में संगठन के पूर्व केंद्रीय उपाध्यक्ष एचएस भदौरिया, मंडल संयोजक अमित कुमार दास, रजनीश कुमार अर्बन बैंक डायरेक्टर, संदीप तिवारी तथा मंडल सचिव विकास सिंह गहरवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।एचएस भदौरिया ने संगठन के संघर्षों और नई शाखा गठन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। एके पाल ने नियमों के विरुद्ध शहडोल से सूरजपुर स्थानांतरण का विरोध करते हुए मंडल के सभी लोको पायलटों एवं सहायक लोको पायलटों से एकजुट होकर आंदोलन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

इस दौरान नई कार्यकारिणी में मृत्युंजय कुमार को शाखा अध्यक्ष, धर्मेंद्र कुमार को वर्किंग प्रेसिडेंट, दीपक कुमार एवं मुकेश प्रसाद को उपाध्यक्ष, सौरभ कुमार सिंह को शाखा सचिव, मनीष कुमार चौहान को कोषाध्यक्ष, पवन कुमार को सहायक कोषाध्यक्ष, सनी सिंह एवं मनीष पाल को सहायक सचिव, सुधीर कुमार, राजीव रंजन एवं राकेश पाल को ऑर्गेनाइजर सचिव चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सतीश कुमार, मोहम्मद राशिद, शब्बीर अंसारी, रवि रंजन कुमार, हेमंत कुमार, गौतम तूफान, अमित प्रसाद, रोहित शर्मा, विवेकानंद सिंह और विशाल कुमार का चयन किया गया। कार्यक्रम के अंत में दीपक कुमार सिंह ने आभार व्यक्त किया। उक्ताशय की जानकारी जोनल संगठन सचिव आरके दुबे ने दी।

नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच ने पकड़ी रफ्तार, सीबीआई की 5 सदस्यीय टीम पहुंची कोरिया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोरियाः जिले के बहुचर्चित नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती नजर आ रही है. राज्य सरकार की अनुशंसा के बाद मामले की जांच अपने हाथ में लेने वाली केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की पांच सदस्यीय टीम आज सुबह कोरिया जिले पहुंच गई. टीम फिलहाल चरचा स्थित पंचवटी रेस्ट हाउस में ठहरी हुई है और सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई गांव पहुंचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करेगी।

नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच के लिए पहुंची सीबीआई

जानकारी के अनुसार सीबीआई अधिकारी घटनास्थल का वैज्ञानिक तरीके से परीक्षण करेंगे. टीम घटनाक्रम की पूरी कड़ी को समझने, साक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने और प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित लोगों से पूछताछ भी कर सकती है. इसके अलावा अब तक पुलिस द्वारा जुटाए गए साक्ष्यों, केस डायरी और गिरफ्तार आरोपियों से जुड़े दस्तावेजों का भी गहन अध्ययन किया जाएगा।

16 जून की घटना

गौरतलब है कि 16 जून 2026 को सोनहत थाना क्षेत्र के नौगई गांव में हुए तिहरे हत्याकांड ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था. इस सनसनीखेज वारदात के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश देखने को मिला और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग लगातार उठती रही. घटना की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने 30 जून 2026 को इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी थी.

12 आरोपियों की गिरफ्तारी

प्रारंभिक जांच के दौरान पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. हालांकि मामले की संवेदनशीलता और व्यापक जनचर्चा को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपे जाने का निर्णय लिया गया, ताकि हर पहलू की निष्पक्ष और गहन जांच हो सके।

सीबीआई की पांच सदस्यीय टीम पहुंची

सूत्रों के अनुसार सीबीआई टीम घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पुलिस अधिकारियों से भी विस्तृत जानकारी लेगी. आवश्यकता पड़ने पर फॉरेंसिक रिपोर्ट, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की भी दोबारा समीक्षा की जा सकती है. जांच एजेंसी का उद्देश्य घटना से जुड़े प्रत्येक तथ्य की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करना और पूरे घटनाक्रम की सच्चाई तक पहुंचना है।

कोरिया में सीबीआई की टीम

सीबीआई टीम के जिले में पहुंचने से नौगई तिहरा हत्याकांड की जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है. अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि केंद्रीय एजेंसी की जांच में कौन-कौन से नए तथ्य सामने आते हैं और क्या इस बहुचर्चित मामले में कोई नई कार्रवाई होती है. पूरे जिले में इस जांच को लेकर लोगों की उत्सुकता बनी हुई है, जबकि पीड़ित परिवार और स्थानीय नागरिक निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों को कड़ी सजा मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

अदाणी विद्या मंदिर के 'एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट' से 600 ग्रामीण बच्चे हुए कुपोषण से मुक्त

12 महीने चले विशेष 'स्वास्थ्य एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट' के सकारात्मक नतीजे, प्रार्थना सभा में बच्चों के चक्कर आने की समस्या पूरी तरह खत्म

पोषण के साथ नियमित व्यायाम प्रणाली ने बढ़ाई छात्रों की ताकत और सहनशक्ति

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

साल्ही, उदयपुर, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़), 13 जुलाई 2026ः कुपोषण से होने वाली शारीरिक कमजोरी बच्चों को हर मायने में दूसरों से पीछे कर देती है, जिसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम उनकी शिक्षा पर पड़ता है। ग्रामीण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की सामाजिक सरोकार शाखा अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित अदाणी विद्या मंदिर, सरगुजा ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय ने एक वर्ष तक चले विशेष स्वास्थ्य एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके माध्यम से 600 ग्रामीण विद्यार्थियों में प्रोटीन एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी को संतुलित आहार और नियमित शारीरिक गतिविधियों के जरिए दूर किया गया।

दो-दो जांच में खुलीं गंभीर संरचनात्मक खामियां, कई हिस्सों को डिस्मेंटल कर दोबारा बनाने तक की नौबत

शिकायतकर्ता हाईकोर्ट में दायर करेंगे जनहित याचिका

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के प्रतापपुर सरनापारा में निमार्णाधीन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भवन निर्माण कार्य को लेकर आरटीआई से प्राप्त दो अलग-अलग जांच प्रतिवेदनों ने करोड़ों रुपये की इस परियोजना पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।एसडीएम प्रतापपुर के नेतृत्व में गठित 7 सदस्यीय जांच दल ने दो अलग-अलग समय पर किए गए निरीक्षण में निर्माण कार्य में अनेक तकनीकी, गुणवत्ता संबंधी एवं संरचनात्मक खामियां दर्ज की हैं।जांच प्रतिवेदन के अनुसार कुछ कमियां इतनी गंभीर प्रकृति की हैं कि संबंधित हिस्सों को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण करने की आवश्यकता तक पड़ सकती है।इसके बावजूद आज तक किसी जिम्मेदार अधिकारी, निर्माण एजेंसी या ठेकेदार पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई और निर्माण कार्य लगातार जारी है। अब शिकायतकर्ता चंद्रिका कुशवाहा एवं मनीष गुप्ता प्रशासनिक कार्रवाई के आभाव में उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर करेंगे। बताया गया है कि पहली जांच 29 सितंबर 2025 को कलेक्टर के आदेश पर एसडीएम प्रतापपुर की अध्यक्षता में गठित सात सदस्यीय जांच समिति द्वारा की गई थी। इसके बाद दूसरी जांच 9 जून 2026 को कलेक्टर के 1 जून 2026 के आदेश के पालन में कार्यपालन अभियंता लोनिवि, अनुविभागीय अधिकारी एवं साइट इंजीनियर की उपस्थिति में की गई।

शासकीय सुकर फार्म, सकलो में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर, । शासकीय सुकर फार्म, सकलो में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल मार्च माह से जारी है। फार्म प्रबंधक डॉ. अजय अग्रवाल ने बताया कि वैक्सीन ट्रायल मार्च माह से प्रारंभ किया गया है। इस वैक्सीन का परीक्षण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज भोपाल द्वारा किया जा रहा है। वैक्सीन का विकास भी भोपाल के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है। ट्रायल के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजू कुमार दिनांक 8 जुलाई को शासकीय सुकर फार्म, सकलो (अंबिकापुर) पहुंचे तथा ट्रायल की प्रगति का अवलोकन कर ब्लड सैंपल सिरम सैंपल एवं नेजल सैम्पल को कलेक्ट किया. अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल

पशुपालन विभाग के संचालक महोदय के निर्देश एवं मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार अफ्रीकन स्वाइन फीवर सूकरों में होने वाला अत्यंत घातक वायरल रोग है, जो घरेलू एवं जंगली दोनों प्रकार के सूकरों को प्रभावित करता है। इस रोग में मृत्यु दर अत्यधिक होती है तथा वर्तमान में इसका कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। संक्रमित पशुओं में केवल लक्षणों के आधार पर सहायक उपचार दिया जा सकता है, किंतु इससे रोग का प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं होता। उल्लेखनीय है कि भारत में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का यह प्रथम ट्रायल है। वर्तमान समय में भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में अरऋ के लिए कोई पूर्ण रूप से स्वीकृत व्यावसायिक वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। ह्लशासकीय सुकर फार्म, सकलो (अंबिकापुर) में अफ्रीकन स्वाइन फीवर वैक्सीन का ट्रायल वैज्ञानिक मानकों एवं जैव-सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करते हुए किया जा रहा है। यदि यह ट्रायल सफल रहता है, तो भविष्य में इस वैक्सीन से भारत सहित विश्वभर के सूकर पालकों को लाभ मिलेगा तथा अफ्रीकन स्वाइन फीवर से होने वाली भारी आर्थिक क्षति को कम करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

डॉ. सी. के. मिश्रा
वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी, शासकीय सुकर फार्म, अंबिकापुर

आज होगा प्रभु श्री जगन्नाथ महाप्रभु का नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन

16 जुलाई को निकलेगी भव्य रथ यात्रा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति, अम्बिकापुर द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की विश्वविख्यात रथ यात्रा महोत्सव के अंतर्गत आज प्रातः 4:00 बजे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन का भव्य आयोजन किया जाएगा।इसी समय भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के नेत्रोत्सव पूजन के उपरांत श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे। अनसर (विश्राम) काल पूर्ण होने के बाद भक्तों को भगवान के नवीन, तेजस्वी एवं दिव्य स्वरूप के प्रथम दर्शन का दुर्लभ सौभाग्य प्राप्त होगा। सनातन परंपरा के अनुसार स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु का महाअभिषेक होने के पश्चात उन्हें ज्वर (बीमार) आने की मान्यता है।इसके बाद वे लगभग पंद्रह दिनों तक अनसर गृह में विश्राम करते हैं, जहाँ उनके दर्शन सामान्य श्रद्धालुओं के लिए बंद रहते हैं। इस अवधि में पारंपरिक औषधीय सेवा एवं उपचार किया जाता है। स्वास्थ्य लाभ के उपरांत भगवान पुनः नवयौवन से युक्त दिव्य स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं, जिसे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन कहा जाता है। नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन के शुभ अवसर पर उड़ीसा से पधारे विद्वान पुजारी पंडित श्री शंभूनाथ पांडा जी द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य पूजा-अर्चना, विशेष अनुष्ठान एवं महाआरती संपन्न कराई जाएगी। समिति ने बताया कि 16 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथ यात्रा श्री जगन्नाथ मंदिर मार्ग (तिवारी बिल्डिंग) से प्रारंभ होकर जोड़पीपल, आकाशवाणी चौक, गांधी चौक, घड़ी चौक, देवीगंज रोड, संगम चौक, ब्रह्म रोड, राममंदिर रोड, जय स्तंभ चौक, महामाया चौक होते हुए पुनः संगम चौक से दुर्गा बाड़ी तक पहुंचेगी। मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा प्रभु की आरती, पुष्पवर्षा एवं भव्य स्वागत किया जाएगा। जगन्नाथ मंदिर सेवा समिति एवं उत्कल समाज ने समस्त श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे 14 जुलाई को प्रातः 4:00 बजे नेत्रोत्सव एवं नवयौवन दर्शन तथा 16 जुलाई को आयोजित भव्य रथ यात्रा में सपरिवार उपस्थित होकर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करें और इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को सफल बनाएं।

विकलांग महिला की घर में संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश परिजनों ने जताई हत्या की आशंका एसडीओपी पुलिस टीम के साथ पहुंचे मौके पर जांच शुरू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर।लखनपुर थाना क्षेत्र के कुन्नी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम कोटबर्रा में विकलांग महिला के संदिग्ध परिस्थिति में घर में लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं परिवार जनों के द्वारा हत्या के आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस अनुविभागीय अधिकारी तुल सिंह पट्टावी पुलिस टीम के साथ 12 जुलाई दिन रविवार को ग्राम कोटबर्रा घटनास्थल पर पहुंची और विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू की है। 12 जुलाई दिन रविवार की शाम लगभग 4 बजे मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम सकरिया निवासी पावरों पैकरा का उम्र 35 वर्ष पैर से विकलांग थी। ग्राम कोटबर्रा के अमरुद मझवार उम्र 45 वर्ष से उसने प्रेम विवाह किया था। दोनों के तीन बच्चे है।शराब पीकर अमरूद मझवार अपनी पत्नी पवारों के साथ आय दिन लड़ाई झगड़ा किया करता था।

रेल मंत्रालय ने गढ़वा से बलरामपुर तक रेलवे लाइन बिछाने को दी मंजूरी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज - रेल मंत्रालय ने झारखंड के गढ़वा जिले से छत्तीसगढ़ के बलरामपुर तक 261 किलोमीटर लंबी नई रेलवे लाइन बिछाने को मंजूरी दे दी है. इस पर गजट अधिसूचना भी जारी कर दी गई है. इस परियोजना से झारखंड और छत्तीसगढ़ रेलवे नेटवर्क से जुड़ जाएंगे तथा दोनों राज्यों के बीच यातायात सुगम हो जाएगा।

अंबिकापुर में जुड़ेगी रेलवे लाइन

रामानुजगंज से दो रेलवे लाइनें निकल रही हैं. पहली लाइन बढ़गढ़, भंडरिया होकर बरवाडीह जाएगी. दूसरी लाइन गढ़वा से रंका, फिर रंका से गोदरमाना होते हुए छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज में जंक्शन बनेगी. इसके बाद बलरामपुर जिले से मेन लाइन अंबिकापुर में जाकर इस रेलवे लाइन से जुड़ जाएगी

परियोजना से स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल

रेलवे की इस बड़ी योजना की घोषणा से स्थानीय लोगों में उत्साह और खुशी है. यह परियोजना क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाली मानी जा रही है.

70 हजार आबादी मायूस, भंडरिया-बढ़गढ़ को जोड़ने की मांग

जहां एक ओर खुशी है, वहीं गढ़वा जिले के भंडरिया और बढ़गढ़ प्रखंडों की लगभग 70 हजार आबादी मायूस है. स्थानीय लोगों का कहना है कि ब्रिटिश काल में 1930-40 के दशक में बरवाडीह-चिरमिरी रेल लाइन का काम अंतिम चरण में था. भंडरिया और बढ़गढ़ क्षेत्र में कई जगह रेलवे स्टेशन, पुल-पुलिया तैयार हो चुकी थीं और रेल लाइन बिछाने का काम चल रहा था।

स्वतंत्रता के बाद अधूरी रह गई पुरानी योजना

1947 में देश के आजाद होने के बाद यह योजना अधर में लटक गई और आज तक पूरी नहीं हो सकी. पुरानी योजना लातेहार के बरवाडीह से होकर पलामू, गढ़वा के बढ़गढ़, भंडरिया होते हुए छत्तीसगढ़ के चिरमिरी तक जाने की थी. इस दौरान कई लोगों की जमीन अधिग्रहित भी की गई थी।

वर्तमान में केवल सड़क से जुड़ाव

वर्तमान में झारखंड और छत्तीसगढ़ के बीच केवल सड़क मार्ग से जुड़ाव है. गढ़वा से छत्तीसगढ़ जाने वाले हजारों यात्री प्रतिदिन अधिक किराया देकर यात्रा करते हैं. स्थानीय लोगों की मांग है कि नई रेलवे परियोजना बने लेकिन इसमें भंडरिया और बढ़गढ़ को भी शामिल किया जाए, अन्यथा क्षेत्र आगे भी पिछड़ा रह जाएगा।

सामाजिक एवं स्थानीय मुद्दो को लेकर पत्रकार हुये संगठित

पत्रकारो की अहम बैठक विश्राम गृह मे हुयी आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव-ःसामाजिक एवं स्थानीय मुददो को प्रमुखता से प्रकाशन एवं शासन-प्रशासन का उन मुददो पर ध्यानाकर्षित करने का उददेश्य लेकर दिन रविवार की देर शाम स्थानीय विश्राम गृह मे पत्थलगांव के समस्त पत्रकारो की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी थी,जिसमे पत्रकारो की एकता,संगठन की मजबुती,क्षेत्रिय समस्यायें,धार्मिक कार्यो मे पत्रकारो का योगदान एवं ज्वलंतशील मुददो पर शासन-प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराने के लिए सभी पत्रकारो ने एकजुट होकर संगठन के हित मे बातें रखी। दरअसल लंबे समय से यहा के पत्रकारो के बीच आपसी सहमति का आभाव देखने को मिल रहा था,जिसे दिन रविवार की देर शाम की बैठक एवं आपसी विचार विमर्श से दूर कर सभी पत्रकारो को एक मंच पर एकत्रित कर दिया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार

रविन्द्र सिंह भाटिया ने पत्रकारो की एकता एवं संगठन की मजबुती पर अपने विचार व्यक्त किये। उनका कहना था कि हम सशक्त है तो हम समाज एवं सामाजिक मुददो को प्रमुखता से उठा सकते है। हमें जनसरोकार से जुडी खबरे चलाने के साथ-साथ उन पर शासन-प्रशासन का ध्यानाकर्षित करा जनहित मे कार्य कराने की बेहद आवश्यकता है। प्रेस क्लब के वरिष्ठ सरंक्षक हरगोविंद अग्रवाल ने अपने गरिमामयी उदबोधन मे पत्रकारो को संगठित रहकर भ्रामक खबरे एवं ऐसी खबरे चलाने वाले प्लेटफार्म के संचालको से सावधान रहने की बात कही। उनका कहना था कि सोशल मीडिया मे बहुत सी बातें अफवाह फैलायी जाती है परंतु एक कलमकार द्वारा लिखी गयी अपनी खबरो मे वास्तविकता परोसकर जन-जन तक पहुंचाया जाता है,इस बात का यहा मौजुद सभी सम्मानिय पत्रकारो को ध्यान रखने की जरूरत है।

सम्मान मे संस्कार हो समाहित-ःप्रेस क्लब के अध्यक्ष विजय त्रिपाठी ने संगठन के कनिष्ठ लोगो से प्रेस जैसे मर्यादित शब्द की मयार्दा मे रहकर अपने कत्रब्य का निर्वहन करने की बातें कही। उन्होने कहा कि बडो का सम्मान हमारे संस्कारो मे दिखना चाहिये। दिन रविवार की देर शाम आयोजित समस्त पत्रकार संघ की बैठक मे मुख्य रूप से विजय त्रिपाठी,रविन्द्र सिंह भाटिया ,महावीर अग्रवाल,हरगोविंद अग्रवाल, सुरेन्द्र चेतवानी,राजेश अग्रवाल,मुकेश अग्रवाल,अतुल त्रिपाठी, जितेन्द्र गुप्ता,जितेन्द्र सोनी, बबलू तिवारी,नीरज गुप्ता ,शिव प्रताप सिंह,संजय तिवारी, प्रदीप सिंह ठाकुर ,निशामुददीन खान,छत्रमोहन यादव, सौरभ त्रिपाठी, अंकित बंसल,आकाश शर्मा, श्याम चैहान,अभिषेक शुक्ला, जितेन्द्र अग्रवाल,हरि जायसवाल, मन्नु महंत,वैभव शर्मा, दिनेश अग्रवाल के अलावा पत्थलगांव के अनेक पत्रकार इस महत्वपूर्ण बैठक मे शामिल होकर संगठन को मजबुती प्रदान किये।

पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है। पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं? पहले शहरों में बड़े तालाब और झीलें होती थीं, जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर ठीक करने का काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि वर्षा जल को संरक्षित नहीं किया गया तो बाढ़ का खतरा बढ़ेगा। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। ***इन्हीं समस्याओं के समाधान की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

हम खुद बना रहे बारिश को आपदा

विश्लेषण

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

वरिष्ठ स्तंभकार

इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है। सत्य तो यह है किअनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है।

सुदर्शन फ़ाकिर ने कहा है-

ये दौलत भी ले लो, ये शोहरत भी ले लो,
भले छीन लो मुझसे मेरी जवानी।
मगर मुझको लौटा दो बचपन का सावन,
वो कागज़ की कश्ती, वो बारिश का पानी।

बारिश की बूंदें हमेशा आम जनमानस के लिए एक सुकून का सुखद संदेश लेकर आती हैं। तपती और झुलसा देने वाली गर्मी के बाद जब धरती की प्यास बुझती है तो मिट्टी से आने वाली सोंधी खुशबू किसी भी मन को आनंदित कर देती है। बारिश प्रकृति का वह वरदान है जो नवजीवन का संचार करता है, लेकिन आज के इस आधुनिक युग में जहां हम भौतिक विकास की सीढ़ियां चढ़ रहे हैं, मानसून का यह प्राकृतिक सौंदर्य हमारे लिए एक बुरे सपने जैसा बनता जा रहा है। अभी मानसून की शुरुआत ही हुई है कि महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक की सड़कें, नालियां और जल निकासी व्यवस्था चरमराने लगी है। पहली ही बारिश में भूमिगत मार्ग तालाब बन जाते हैं, सड़कें नदियों का रूप ले लेती हैं और जिंदगी की रफ्तार वाहनों की लंबी कतारों के दलदल में फंसकर रेंगने लगती है।

पिछले कुछ वर्षों से हम इस स्थिति से हर वर्ष दो-चार होते हैं और हर बार यही सवाल हमारे सामने आकर खड़ा हो जाता है कि क्या हमारे स्थानीय निकाय जनसुविधाएं उपलब्ध कराने में नाकाम हो रहे हैं या फिर हम लोग अनियंत्रित होकर अपनी क्षमता से कहीं अधिक नागरिक सुविधाओं पर दबाव डाल रहे हैं?

यदि इस प्रश्न के उत्तर की अच्छे से तलाश की जाए तो इस समस्या के मूल में सबसे पहला और सबसे बड़ा कारण हमारी प्रशासनिक व्यवस्था की शिथिलता है। हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट आवंटित किया जाता है। फाइलों और कागजों पर तो सारी तैयारियां मुकम्मल नजर आती हैं, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही बयां करती है।

सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा

इस सन्दर्भ में अधिक गहनता से विचार करने पर बड़ा कारण हमारे सामने आता है। दरअसल नगरीय नियोजन के नाम पर हमने कंक्रीट के ऐसे जंगल खड़े कर दिए हैं, जहां पानी को जमीन के भीतर रिसने या बाहर निकलने का कोई प्राकृतिक रास्ता ही नहीं बचा है।

हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए पारंपरिक तालाबों, जोहड़ों, बावड़ियों और झीलों का निर्माण किया था, जिन्हें आज पाटकर उन पर बहुमंजिला इमारतें और विशाल व्यावसायिक परिसर खड़े कर दिए गए हैं अथवा अवैध कब्जे करके उनका अस्तित्व मिटा दिया गया है। जब जल को बहने के लिए जगह नहीं मिलेगी तो वह स्वाभाविक रूप से हमारी सड़कों और घरों में ही तो प्रवेश करेगा। अत्याधुनिक नगरों की परिकल्पनाएं और बड़े-बड़े दावे पहली ही बारिश के पानी में कागज की नाव की तरह बहते हुए नजर आते हैं। सफाई के नाम पर अक्सर केवल दिखावा होता है; जो गाद और कचरा नालों से निकाला जाता है, उसे बारिश आने तक वहीं सड़कों के किनारे छोड़ दिया जाता है, जो पहली बारिश के प्रवाह के साथ वापस उसी नाले में बहकर उसे दोबारा अवरुद्ध कर देता है।

गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार

अब इस सिक्के के दूसरे पहलू पर भी विचार करना अत्यंत आवश्यक है। क्या सारा दोष केवल व्यवस्था और प्रशासन का है? सत्य तो यह है कि अनियोजित शहरीकरण के साथ-साथ नागरिकों का असंतुलित और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार भी इस समस्या को गहरा करने में अहम भूमिका निभा रहा है। रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की तलाश में गांवों से शहरों की ओर होने वाले निरंतर पलायन ने शहरों की छाती पर अप्रत्याशित बोझ बढ़ा दिया है। एक शहर या मोहल्ले की जल निकासी व्यवस्था एक निश्चित आबादी का भार सहने के लिए बनाई जाती है। जब वहां क्षमता से कई गुना अधिक लोग रहने लगेंगे, बिना किसी योजना के अवैध बस्तियां बसेंगी और सड़कों तक अतिक्रमण होगा तो सबसे मजबूत व्यवस्था का चरमराना भी तय है। लोग नागरिक सुविधाओं पर बेतहाशा दबाव डाल रहे हैं, लेकिन उन सुविधाओं के रखरखाव में अपना आत्मीय योगदान देने से कतराते हैं।

बुनियादी सुविधाओं का टोटा

एक समय था जब जलभराव और यातायात अवरोध की समस्या केवल बड़े महानगरों तक सीमित मानी जाती थी। आज छोटे शहर और कस्बे भी इस महामारी की चपेट में आ चुके हैं। छोटे शहरों ने महानगरों की तर्ज पर अंधाधुंध भवनों का निर्माण तो शुरू कर दिया, लेकिन भूमिगत जल निकासी और जल प्रबंधन जैसी बुनियादी सुविधाओं का उस अनुपात में विकास नहीं किया गया है। इसके कारण वहां की स्थिति महानगरों से भी अधिक भयावह होती जा रही है, क्योंकि वहां तकनीकी संसाधनों का अभाव महानगरों की तुलना में कहीं अधिक है। सड़कों, फुटपाथों और आंगनों को पक्का (सीमेंटेड) कर देने से बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से धरती के अंदर नहीं जा पाता। इसके अलावा शहरों के विस्तार के साथ ड्रेनेज नेटवर्क और सीवरेज लाइनें नहीं बिछाई जातीं।

दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी

हम अपने घरों का कचरा, पॉलिथीन की थैलियां, प्लास्टिक या कांच की बोतलें, निर्माण सामग्री के मलबे को खुले नालों में फेंक देते हैं। जो बाद में पानी के बहाव को पूरी तरह से रोक देता है। जब समूचा तंत्र इस कचरे के कारण दम तोड़ने लगता है, तब हम प्रशासन को कोसने लगते हैं। घरों के बाहर जल निकासी के रास्तों पर पक्के चबूतरे बना लेना और अतिक्रमण करना एक आम प्रवृत्ति बन गई है, जिससे सफाई व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित होती है। वस्तुतः मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली यह भयंकर स्थिति प्रशासनिक नाकामी और नागरिक लापरवाही का मिलाजुला परिणाम है। जहां प्रशासन के पास दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी है, वहीं नागरिकों के पास अपने कर्तव्यों के प्रति बोध का अभाव है। जब तक दोनों एक-दूसरे पर दोषारोपण करते रहेंगे, तब तक संकट का कोई स्थायी समाधान कभी नहीं निकल पाएगा। अंतः मानसून को एक त्रासदी बनने से रोकने के लिए सत्ता और समाज, दोनों को मिलकर एक ईमानदार शुरुआत करनी ही होगी।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा

स्वतंत्र पत्रकार

एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है? भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े।

किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है। वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है। दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है।

यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है। मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है। पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है।

यदि हमें खूबसूरत पहाड़ों और वहां रहने वाले करोड़ों लोगों को बचाना है तो हमें अविलंब कठोर कदम उठाने होंगे। सख्त इको-सेंसिटिव जोनिंग पहाड़ों की जरूरत है। आपदा संभावित क्षेत्रों में भारी निर्माण कार्य और बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध अनिवार्य है। सड़कों के निर्माण में ग्रीन इंजीनियरिंग और 'बायो-इंजीनियरिंग' तकनीकों का उपयोग जरूरी है। कंक्रीट की दीवारों के बजाय ऐसी वनस्पतियां लगाई जाएं जो मिट्टी को स्वाभाविक रूप से बांधें। पहाड़ों को 'मॉल' या कंक्रीट का जंगल बनाने की भूल हमें नहीं करनी चाहिए। विकास ऐसा होना चाहिए जो पहाड़ों की ऊंचाई को बनाए रखे न कि उन्हें मलबे के ढेर में तब्दील कर दे। प्रकृति कभी अन्याय नहीं करती, वह केवल संतुलन स्थापित करती है। हमने जंगल काटे, नदियों को बांधा और पहाड़ों को तोड़ा-अब प्रकृति अपना जवाब दे रही है। प्रकृति चेतावनी भी देती है और सबक भी सिखाती है। आज की सुविधा, कल की त्रासदी न बन जाए इसलिए प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं, सह-अस्तित्व ही मानवता का भविष्य है। धरती का धैर्य असीम नहीं है; जब वह टूटता है, तब आपदाएं जन्म लेती हैं लिहाजा यह संभलने का समय है। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी संरक्षक है, अगर उसके नियमों की अनदेखी की गई तो सबसे बड़ी संहारक बन जाती है। मानव का भविष्य प्रकृति पर विजय में नहीं बल्कि उसके साथ संतुलित और जिम्मेदार सह-अस्तित्व में है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली अपनाएं

मंथन

विनीत पाण्डेय

वरिष्ठ पत्रकार

हर वर्ष गर्मियों के आगमन के साथ देश के अधिकांश राज्यों में पेयजल संकट की खबरें सुर्खियां बन जाती हैं। कहीं टैंकरों के पीछे लंबी कतारें लगती हैं, कहीं महिलाएं कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर होती हैं, तो कहीं किसान सूखे खेतों को देखकर आसमान की ओर टकटकी लगाए रहते हैं। विडंबना यह है कि कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आता है और वही देश बाढ़, जलभराव तथा नदियों के उफान से जूझने लगता है। एक ओर पानी की बूंद-बूंद के लिए संघर्ष और दूसरी ओर करोड़ों लीटर वर्षाजल का बिना उपयोग समुद्र में बह जाना, यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। भारत विश्व के उन देशों में है जहां वर्षा की मात्रा पर्याप्त है, लेकिन उसका वितरण असमान और प्रबंधन अत्यंत कमजोर है।

यदि इस जल का एक बड़ा भाग भी वैज्ञानिक ढंग से संचित कर लिया जाए तो गर्मियों में पेयजल संकट, भूजल स्तर में गिरावट और सिंचाई संबंधी समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज देश के अनेक शहरों का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर और हैदराबाद जैसे महानगरों में भूजल का अत्यधिक दोहन चिंता का विषय बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पारंपरिक कुएं और हैंडपंप सूखते जा रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि जितनी तेजी से हम धरती से पानी निकाल रहे हैं, उतनी ही गंभीरता से उसे वापस धरती में पहुंचाने का प्रयास नहीं कर रहे। वर्षाजल संचयन इस असंतुलन को ठीक करने का सबसे प्रभावी और अपेक्षाकृत सस्ता उपाय है। दुर्भाग्य से भारत में जल संरक्षण की चर्चा अक्सर तब होती है जब संकट सिर पर आ जाता है। गर्मियों में पानी की कमी पर योजनाएं बनती हैं और मानसून आते ही पूरा ध्यान जल निकासी पर केंद्रित हो जाता है। शहरों में वर्षाजल को सहेजने के बजाय उसे जल्द से जल्द नालों के माध्यम से बाहर निकालने की व्यवस्था की जाती है। परिणाम यह होता है कि बरसात के कुछ दिनों बाद वही शहर फिर पानी की कमी से जूझने लगते हैं। यह स्थिति बताती है कि हमारी प्राथमिकताएं दीर्घकालिक समाधान के बजाय तात्कालिक राहत तक सीमित हैं। भारत की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणाली इस मामले में आज भी प्रेरणा देती है। राजस्थान के जोहड़, गुजरात की बावड़ियां, महाराष्ट्र के बंधारे, दक्षिण भारत के तालाब और उत्तर भारत के पोखर केवल जल स्रोत नहीं थे, बल्कि समाज की सामूहिक जल संस्कृति का हिस्सा थे। इन संरचनाओं ने सदियों तक लोगों की प्यास बुझाई और भूजल स्तर को बनाए रखा। आधुनिक विकास की दौड़ में इन पारंपरिक प्रणालियों की उपेक्षा हुई और उनके स्थान पर केवल पाइपलाइन आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था पर निर्भरता बढ़ती चली गई। अब समय आ गया है कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान का समन्वय किया जाए। नगर नियोजन, भवन निर्माण, औद्योगिक लाइसेंस और ग्राम विकास योजनाओं में वर्षाजल संचयन को अनिवार्य शर्त बनाना चाहिए। वर्षाजल संचयन को केवल सरकारी योजना मान लेना भी पर्याप्त नहीं होगा। यह सामाजिक भागीदारी का विषय है। प्रत्येक मकान, विद्यालय, सरकारी कार्यालय, उद्योग और बहुमंजिला इमारत में वर्षाजल संचयन प्रणाली को अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए। छतों पर गिरने वाले पानी को पाइपों के माध्यम से भूमिगत टैंकों या रिचार्ज पिट तक पहुंचाया जा सकता है। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी बल्कि भूजल स्तर भी सुधरेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी छोटे-छोटे तालाब, चेक डैम, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जलग्रहण क्षेत्र विकास जैसी योजनाओं को व्यापक स्तर पर लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों से वर्षाजल लंबे समय तक भूमि में ठहरता है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है और सूखे की संभावना कम होती है। जल संरक्षण केवल संसाधन प्रबंधन का विषय नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने की रणनीति भी है। बदलते मौसम चक्र के कारण वर्षा अब कम दिनों में अधिक तीव्रता से हो रही है। यदि इस तेज वर्षा को संरक्षित नहीं किया गया तो एक ओर बाढ़ का खतरा बढ़ेगा।

सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

भविष्य की जल नीति में वर्षाजल संचयन को केंद्रीय स्थान देना समय की मांग है। सरकारों को भी केवल नई जलापूर्ति परियोजनाओं पर निर्भर रहने के बजाय जल संरक्षण आधारित विकास मॉडल अपनाना होगा। जल संकट का स्थायी समाधान नए स्रोत खोजने में नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा हर वर्ष दिए जाने वाले अमूल्य वर्षाजल को सम्मानपूर्वक संचित करने में है।

बाढ़ नियंत्रण में छोटे बांध भी सहायक

मानसून

चरण जीत चरण

स्वतंत्र पत्रकार

मानसून एक ऐसा शब्द है जिसका नाम जुबान पर आने या किताब में पढ़ने से ही मन में एक बड़ा खूबसूरत दृश्य बनता है। बारिश की बूंदें ठंडी हवा ,चारों तरफ हरियाली, खेतों की मेड़ों पर उगती दूब, पेड़ों पर फूटती कोपलें, उजाले की ओर दौड़ते कीट-पतंगे, रात के अंधेरे में सन्नाटे को चीरती कीटों की आवाज़ और इन सबमें सबसे महत्वपूर्ण जेठ की तपती दोपहरी में चलती हुई लू के थपेड़ों से व्याकुल प्यासी धरती पर पड़ती पानी की बूंदों से उठती मिट्टी की सोंधी महक।

वर्षों से मानसून भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। भारत में बहुत से तीज-त्योहार, खानपान, रहन-सहन और जीवन से जुड़ी बहुत सारी गतिविधियां मानसून के अनुसार निर्धारित की गई हैं। मानसून अगर समय पर न आए या बारिश कम हो तो भारतीय जनजीवन इससे बहुत अधिक प्रभावित होने लगता है। मानसून के इस मौसम में अगर बारिश निर्धारित मात्रा से कम होती है तो जीवन-यापन का एक बड़ा संकट पैदा हो जाता है। यदि बारिश अधिक होती है तो और बड़ा संकट पैदा होता है। हालांकि भारत ने अपने स्तर पर सीमित संसाधनों के माध्यम से इस क्षेत्र में बहुत से उपाय किए हैं, लेकिन कई बार जब मानसून अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ता है तो पूर्व में किए गए सारे इंतज़ाम नाकाफ़ी लगने लगते हैं। फिर नए सिरे से एक नई बहस शुरू हो जाती है कि और क्या इंतज़ाम किए जाएं कि बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सके। अत्यधिक वर्षा के कारण पानी का प्रवाह बाढ़ के रूप में जब नदियों के तटों को तोड़ता हुआ खेतों, गांवों और शहरों में प्रवेश करता है तो यह सिर्फ धनहानि नहीं करता बल्कि कई बार इतनी बड़ी मात्रा में जनहानि होती है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। गांव के गांव इस बाढ़ में बह जाते हैं। नदियों के तटबंध टूटने के कारण सड़कें, रेल लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यहां तक कि सामान्य यातायात भी थम जाता है।

आज जब हम इंटरनेट के आधुनिक युग में जी रहे हैं तो बाढ़ से प्रभावित लोगों के जीवन से जुड़ी असामान्य तस्वीरें और वीडियो देखकर एक प्रश्न अनायास ही मन में उठता है कि आधुनिकता का ढोल पीटने वाली इस दुनिया में क्यों ऐसे इंतज़ाम नहीं हो सके कि बाढ़ से होने वाले नुकसान को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सके। बांध बाढ़ की तीव्रता को कम करने में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे हर स्थिति में बाढ़ को पूरी तरह नहीं रोक सकते। आज़ादी के बाद भारत में कई बड़े बांध बनाए गए जिनका उद्देश्य पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना और उससे बिजली का उत्पादन कर देश के विकास में उपयोग करना था। इसका लाभ यह हुआ कि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ, लेकिन इन बड़े बांधों के कुछ विपरीत प्रभाव भी हैं। अत्यधिक वर्षा के कारण जब ये बांध अपनी क्षमता को लांघने लगते हैं तो इनसे पानी की बड़ी मात्रा छोड़ दी जाती है और यही पानी कृत्रिम बाढ़ का काम करता है जो सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक घातक होता है। विशेषज्ञ अपने सुझाव देते हैं?

जब भी बाढ़ को रोकने के लिए बांध बनाने की बात होती है तो विपरीत प्रभाव भी सामने आने लगते हैं। जैसे कोई भी बांध बनाने के बाद कई किलोमीटर का हराभरा क्षेत्र पानी में डूब जाता है। उस क्षेत्र की वनस्पतियां, गांव, तालाब, झील सब इस बांध के पेट में समा जाते हैं।

इससे उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जनजीवन असामान्य रूप से प्रभावित होता है। इसका मतलब ये नहीं है कि परिस्थितियों से निपटने के लिए कुछ न किया जाए। समाधान अपने पारंपरिक जल-संरक्षण के साधनों और स्रोतों की ओर लौटने में भी निहित है। हमारे पूर्वजों ने पानी को सही दिशा देने के उपाय बहुत पहले खोज लिए थे। एक समय पर गांव और शहरों में बड़े-बड़े तालाब और झीलें होती थीं जो बारिश के पानी को इकट्ठा कर जलस्तर को ठीक करने काम करती थी। आज उन तालाबों और झीलों पर अधिकार कर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए हैं। जिसके कारण न सिर्फ पानी अनियंत्रित हुआ बल्कि जलस्तर भी तेज़ी से नीचे गिरा है। ज़रूरत है उन तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तालाबों और झीलों तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

तालाबों और झीलों को फिर से उनके मौलिक स्वरूप में लाने की जरूरत है। छोटे-छोटे बांधों के माध्यम से इन तक पानी पहुंचाकर न सिर्फ बाढ़ के पानी को नियंत्रित किया जा सकता है, बल्कि भूगर्भ जलस्तर को बढ़ाकर रबी की फसल के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था की जा सकती है।

गृहमंत्री शाह ने अहमदाबाद में की पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत

‘मिशन फाइव मिलियन ट्रीज’ शुरू किया करोड़ों के विकास प्रोजेक्ट की सौगात दी

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत का हरित आवरण बढ़ाने के लिए ‘एक पेड़ मां के नाम’ पहल शुरू की थी और यह जन आंदोलन बन गई। अर्धसैनिक बलों ने 7 वर्ष में 7 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य पूरा किया

अहमदाबाद में विज्ञान भवन, साइंस सिटी, सोला में आयोजन किया गया

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में ‘मिशन फाइव मिलियन ट्रीज’ के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने करीब 405 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। अहमदाबाद महानगर निगम की ओर से ‘मिशन फाइव मिलियन ट्री’ के तहत विज्ञान भवन, साइंस सिटी, सोला में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंच पर उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का हरित आवरण बढ़ाने के लिए ‘एक पेड़ मां के नाम’ पहल शुरू की थी और यह जल्द ही जन आंदोलन बन गई। शाह ने कहा कि केंद्रीय अर्धसैनिक बलों ने सात वर्ष में सात करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य शनिवार को पूरा किया।

101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया

शाह ने 101 ऑक्सीजन पार्क और हेरिटेज पार्क का ई-लोकार्पण किया। इसके अलावा अहमदाबाद नगर निगम, औडा और सड़क व भवन विभाग की लगभग 405 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का ई-लोकार्पण और शिलान्यास किया। सीएम भूपेंद्र पटेल, मेयर हितेश बारोट, कई मंत्री, सांसद, विधायक, पदाधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

परियोजनाओं का उद्घाटन करते केंद्रीय गृहमंत्री शाह

22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए

अहमदाबाद नगर निगम की ओर से विकसित 101 ऑक्सीजन पार्कों में लगभग 9 लाख 66 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में 22 लाख 71 हजार से अधिक पौधे लगाए गए हैं। इनमें से 62 पार्क गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में हैं, जहां लगभग 16 लाख पौधरोपण किया गया है। इन पार्कों से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ेगा।

इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ भी किया

शाह ने 80 नई एयर-कंडीशंड इलेक्ट्रिक बीआरटीएस बसों का शुभारंभ किया। जेबीएम कंपनी की ओर से जीसीसी मॉडल के तहत संचालित इन बसों पर हर वर्ष लगभग 42 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इन बसों के शुरू होने से यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक, वातानुकूलित और प्रदूषण मुक्त यात्रा की सुविधा मिलेगी।फिलहाल यहां 333 बसें हैं, जिनमें 200 संचालित हो रही हैं। अब पहले चरण में 80 नई इलेक्ट्रिक एसी बसें शामिल की जा रही हैं। भविष्य में पूरी बीआरटीएस सेवा को इलेक्ट्रिक फ्लीट में बदलने की योजना बनाई गई है। इसके लिए एएमटीएस और बीआरटीएस के लिए कुल 325 इलेक्ट्रिक एसी बसों की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है।

एक पेड़ मां के नाम अब जन आंदोलन बन गया

शाह ने कहा कि भारत का हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान जन आंदोलन बन चुका है और भावी पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखने की दृष्टि से यह बेहद महत्वपूर्ण है। गृहमंत्री शाह ने अहमदाबाद नगर निगम के पौधरोपण कार्यक्रम और विकास परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए कहा कि वह 2029 तक अपने संसदीय क्षेत्र गांधीनगर में हरित आवरण 20 प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

योगी ने शुरू किया ‘पौधरोपण महायज्ञ’

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने रविवार को गोरखपुर से ‘प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ-2026’ का शुभारंभ किया। उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के समीप और आरकेबीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत पौधा लगाया। सीएम योगी के साथ मंत्री संजय निषाद व अरुण कुमार सक्सेना समेत कई लोग मौजूद रहे।

संसद का मानसून सत्र

19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक में सरकार बताएगी विधायी एजेंडा

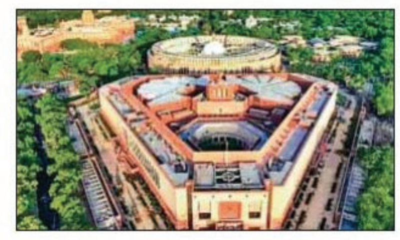

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले 19 जुलाई को सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक सुबह 11 बजे शुरू होगी। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले आयोजित होने वाली इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की जानकारी देगी, जबकि विपक्षी दल उन मुद्दों को सामने रखेंगे जिन्हें वे सत्र के दौरान उठाना चाहते हैं।अधिकारियों का कहना है कि सरकार का विधायी एजेंडा इस बार काफी व्यापक है और सत्र के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा होने की संभावना है। कुछ विपक्षी दलों में मतभेद और विभाजन के कारण सत्र हंगामेदार रह सकता है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने कहा था कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों का मानसून सत्र 20 जुलाई 2026 से 13 अगस्त 2026 तक बुलाने को मंजूरी दी है।

बंगाल चुनावों के बाद हो रहा सत्र

विधानसभा चुनावों में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस में उथल-पुथल देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसदों ने ‘नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया’ में विलय कर लिया है। इन सांसदों ने लोकसभा में अलग aबैठने की व्यवस्था की मांग भी की है। इसके अलावा, पार्टी के तीन सांसदों ने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया है।

विपक्ष इन मुद्दों को उठाएगा

शिवसेना (यूबीटी) में भी विभाजन हुआ है। लोकसभा में पार्टी के 6 सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। राज्यसभा में आपके 7 सांसद पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं। सत्र के दौरान विपक्ष की ओर से नीट-यूजी पेपर लीक का मामला और ऑपरेशन सिंदूर में हुई हताहतों को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणियों का मुद्दा उठाए जाने की संभावना है। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस भी दिया है। प्रस्तावित 130वें संविधान संशोधन विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट अपनाने की उम्मीद है। इसके बाद समिति संसद में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राकेश साहू आ०/पति रामदेव साहू जाति तेली, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, पुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बाबूपारा, शीट नम्बर 9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/168 रकबा 1375 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती बसंती देवी आ०/पति शिवकुमार जाति भुईयां, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दरीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3801/2 रकबा 0.02 1/2 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

वांछित तीन अभियुक्त गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक दुद्धी धर्मेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

कोलकाता में ‘स्पेशल 26’ की तरह लूट

पुलिस के भेष में आए लुटेरों ने कारोबारी से लूटे 2 करोड़

एजेंसी ▸▸ कोलकाता

राजधानी कोलकाता के एक कारोबारी के दफ्तर में शुक्रवार को पुलिस का भेष बनाकर आए लुटेरों ने रेड के बहाने कथित तौर पर 2 करोड़ रुपए लूट लिए। यह घटना फिल्म स्पेशल 26 से मेल खाती है। पुलिस ने कहा कि लुटेरों ने दक्षिणी कोलकाता के कारोबारी को बताया कि वे पुलिस डिटेक्टिव हैं और प्रतापादित्य रोड पर स्थित उनके ऑफिस में भारी मात्रा में कैश की तलाशी लेने आए हैं।

कारोबारी और कर्मचारियों के फोन जब्त कर लिए

पुलिस ने बताया कि लुटेरों ने पहले कारोबारी को फर्जी पहचान पत्र दिखाए और फिर कारोबारी और उनके कर्मचारियों के फोन भी जब्त कर लिए। लुटेरों ने कर्मचारियों को धमकाया कि उनसे ऑफिस में रखे कैश के बारे में पूछताछ की और पता लगाया कि वह एक वॉल्ट (तिजोरी) में रखा है।

दो शहरों में महिलाओं ने पार्टी पर लगाए सनसनीखेज आरोप

यूटीबी के पूर्व सांसद पर बहू के गंभीर आरोप | गोमूत्र पिलाया, बाल नोचे और मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना दी

एजेंसी ▸▸ मुंबई

उद्धव ठाकरे गुट के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विनायक राउत के परिवार के खिलाफ उनकी बहू गिरिजा राउत ने मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना और अंधविश्वास से जुड़े कई सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। बहु की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।दरअसल, विनायक राउत की बहू गिरिजा राउत ने आरोप लगाया है कि पति की बांझपन की समस्या को लेकर ससुराल वालों ने उसे तांत्रिकों के पास जाने, अंधविश्वास के नाम पर बाल नोचने और जबरन गोमूत्र पीने पर मजबूर किया।

पूर्व टीएमसी विधायक पर आरोप

बाल मुंडवाए, ब्लेड से जीभ काटने की कोशिश भी की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बरुईपुर में छठी की छात्रा के साथ कुछ दिन पहले ही रेप और हत्या का मामला सामने आया था। इसके कुछ दिनों बाद 30 साल की एक महिला ने आरोप लगाया है कि नरेंद्रपुर में प्रॉपर्टी के झगड़े को लेकर टीएमसी की पूर्व विधायक फिरदौसी बेगम से जुड़े कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की। उसके साथ मारपीट की गई, उसके बाल मुंडवा दिए गए और हमलावरों ने ब्लेड से उसकी जीभ काटने की कोशिश की।

शपथ पत्र

मैं, शमशेर आलम सिद्दीकी आ० प्योर हसन आयु 37 वर्ष, निवासी अयान मार्ग मोमिनपुरा, अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता / करती हूं:- मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूं।

मैं शपथपूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र सुहेल रजा (SUHEL RAZA) का जन्म प्रमाण पत्र बना हुआ है। जिसमें मेरे पुत्र का नाम सुहेल रजा (SUHEL RAZA) दर्ज है। जो सत्य एवं सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र का आधार कार्ड बना हुआ है। जिसमें मेरे का नाम त्रुटिवश suhil rjaa दर्ज हो गया है। पथपर्वक कथन करता हूं कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में त्रुटि नाम के स्थान पर जन्म प्रमाण पत्र में सही एवं पूरा नाम सुहेल रजा (SUHEL RAZA) संशोधित कर दर्ज करवाने के संबंध में स्वयं का शपथ पत्र निष्पादित कर प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथ कर्ता
समशेर आलम सिद्दकी

वृक्षा रोपण महायज्ञ अभियान के तहत जनपद में वृहद स्तर पर किया गया पौध रोपण

सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत रविवार को प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाने का महाअभियान चलाया गया।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुन्दर साय आ० स्व० दशरथ, व अन्य 02, निवासी ग्राम चठिरमा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 81, 82, 246, 286/1 कुल खसरा 04 कुल रकबा 3.310 हे० ग्राम चठिरमा में स्थित है। खसरा नंबर 81 रकबा 1.150 हे० भूमि पुराना खसरा नंबर 164/2, 166, 167 से बना है, एवं खसरा नंबर 82 रकबा 0.140 हे0 पुराना खसरा नंबर 168 रकबा 1.052 हे0 से बना है। उक्त खसरा नंबर में से खसरा नंबर 271 का रकबा 0.210 हे० बनाकर छोटे झाड का जंगल दर्ज कर दिया गया है, जबकि खसरा नंबर 271 पुराना खसरा नंबर 168 से बना है। आवेदिका द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/07/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा * न्याया अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमाके बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 07/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ईश्तहार
रा०प्र० क्रमांक ब-313/2026

आम जनता ग्राम केनापारा को सूचित किया जाता है कि आवेदक हरिलाल आ० स्व. रामलाल निवासी जाति बारगाह ग्राम केनापारा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा अपने पुत्री का जन्म दिनांक 01/01/1990 को जन्म होने पर आवेदन द्वारा अपने पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिस किसी हितबद्ध पक्षकार का कोई आक्षेप हों तो वह अपना आक्षेप दिनांक 21/ 07/26 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालयः तहसीलदार भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)
ग्राम पोड़ी, प.ह.नं.- 24
ईश्तहार

नितेश गिरी प्रति छ०ग०शासन

आम जनता ग्राम छिंदपारा पोड़ी को सूचित किया जाता है आवेदक नितेश गिरी आ० स्व. परमेश्वर गिरी उम्र 33 वर्ष जाति गोस्वामी निवासी ग्राम छिंदपारा पोड़ी तहसील भटगांव जिला सूरजपुर छ०ग० द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर उल्लेख किया है कि आवेदक ग्राम छिंदपारा पोड़ी तहसील भटगांव का स्थायी निवासी है। आवेदक के पिता परमेश्वर उर्फ पनेश्वर गिरी है जो कि एस.ई.सी.एल. भटगांव क्षेत्र में नौकरी करते थे जो सेवाकाल के दौरान दिनाांक 23.12.2023 को मृत हो गया है। मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न है। आवेदक के समस्त दस्तावेजों में उसके पिता का नाम परमेश्व गिरी दर्ज है. तथा एस.इ.सी.एल. भटगांव के कार्यालय के समस्त दस्तावेज में उसके पिता का नाम पनेश्वर गिरी दर्ज है। आवेदक द्वारा परमेश्वर गिरी व पनेश्वर गिरी दोनों एक ही व्यक्ति के संबंध में प्रमाण पत्र जारी करने हेतु निवेदन किया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/07/2026 तक स्वतः या अपने अभिभाषक के माध्यम से मेरे न्यायालय में आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 06/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
भटगांव जिला सूरजपुर (छ०ग०)

शपथ पत्र

मैं संतबिलास राम आ० जगदेव राम उम्र 53 वर्ष निवासी ग्राम छिन्दकालो थाना व तह दरिमा जिला सरगुजा छ०ग० का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ किः- मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ, कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूँ। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 है जो मेरे पेन कार्ड एवं अन्य । सभी दस्तावेज में अंकित है जो सत्य एवं सही हैं मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरे आधार कार्ड क्रमांक 683389301237 में त्रुटिवश मेरा नाम SANTBILAS YADAV पिता का नाम JAGDEV YADAV अंकित किया गया है जो असत्य हैं तथा जन्म तिथि 01.02.1974 अंकित है जो त्रुटिपूर्ण है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरा सही नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 जो मेरे पेन कार्ड में अंकित है। मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि उक्त दोनो नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा SANTBILAS YADAV पिता का नाम JAGDEV YADAV एक ही व्यक्ति का नाम मेरा एवं मेरे पिता का ही नाम है मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम SANTBILAS RAM पिता JAGDEV RAM है तथा जन्म तिथि 02.12.1973 अंकित किया जाये जिस हेतु स्वंय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
रा०प्र०क्र०-/अ-6/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण रोज बीबी पति मो० शफी, उम्र-75 वर्ष, मो० सईद अंसारी आ०मो० शफी, उम्र 51 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम अजिरमा था०तह० अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि अनावेदकगण नेयाज अहमद अंसारी, फैय्याज अहमद अंसारी आ.स्व. मो० इसहाक, दोनों निवासी मोहल्ला ईमलीपारा अम्बिकापुर के द्वारा स्वयं के स्वामित्व व अधिपत्य की नगर अ०पुर, मोहल्ला ईमलीपारा स्थित नजूल भूमि प्लॉट नंबर 2951 में से रकबा 0.006 हे० (डेढ़ डिसमिल) एवं ख.न. 2950 में से रकबा 0.006 हे० (डेढ़ डिसमिल) कुल रकबा 0.12 एकड़ भूमि के संबंध में हिब्बानामा दिनांक 20.04.2026 का निष्पादन आवेदकगण के पक्ष में किया गया है। अतः उक्त हिब्बानामा के आधार पर आवेदक द्वारा आवेदित भूखण्ड का नामांतरण स्वयं के नाम से किये जाने हेतु हिब्बानामा की छायाप्रति मयं दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 10/07/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका खुलास कुंवर आ० बरी राम, निवासी ग्राम करम्हा, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नंबर 586, 587, 588, 614/2, 644 कुल खसरा 05 कुल रकबा 0.729 हे0 ग्राम करम्हा में स्थित है, जो आवेदिका की पैतृक भूमि है। उपरोक्त भूमि में से खसरा नंबर 614/2 रकबा 0.389 हे० वर्तमान राजस्व अभिलेखों में दर्ज होने से छूट गया है। आवेदिका द्वारा खसरा नंबर 614/2 रकबा 0.389 हे0 को अपनें नाम पर दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/07/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका शिवशंकर गोयल, विष्णु प्रसाद गोयल आ०/पति स्व० रामनिवास गोयल जाति, निवासी भातुपारा, बिलासपुर चौक अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला मणीपुर, शीट नम्बर 6 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4242/3 रकबा 0.03 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-24/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

ड्रोन संबंधी अफवाहों से रहें सतर्क भ्रामक सूचनाओं पर न करें विश्वास सोनभद्र पुलिस

सोनभद्र। पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपदवासियों से अपील की जाती है कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से प्रसारित ड्रोन के माध्यम से चोरी, रेकी अथवा आपराधिक गतिविधियों से संबंधित किसी भी अपुष्ट एवं भ्रामक सूचना पर विश्वास न करें। हाल के दिनों में प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा सामान्य इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों, प्रकाशयुक्त उड़ने वाले उपकरणों अथवा अन्य रोशनी वाली वस्तुओं को ड्रोन बताकर आमजन में अनावश्यक भय एवं भ्रम का माहौल उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसी अपुष्ट सूचनाओं एवं अफवाहों के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। सोनभद्र पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी सूचना को सत्यापित किए बिना उसे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से प्रसारित न करें तथा किसी भी अफवाह के आधार पर कानून अपने हाथ में न लें। यदि किसी स्थान पर कोई संदिग्ध ड्रोन, उड़ने वाली वस्तु अथवा कोई अन्य संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो तत्काल स्थानीय पुलिस, यूपी-112 अथवा निकटतम पुलिस थाना को सूचना दें, जिससे समय रहते आवश्यक जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की जा सके। बिना अनुमति ड्रोन संचालन, झूठी अफवाह फैलाकर समाज में भय एवं दहशत का वातावरण बनाने तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

पति-पत्नी के तौर पर पहली बार नजर आए स्विफ्ट और ट्रैविस

टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स ने अपनी शादी की तस्वीरें अभी तक पब्लिक नहीं की हैं। मगर इस नए जोड़े ने फैंस को अपनी शादीशुदा जिंदगी की पहली झलक दिखा दी है। न्यूयॉर्क में शादी करने की खबरों के ठीक एक हफ्ते बाद, इस जोड़े को पहली बार पति-पत्नी के तौर पर एक-साथ देखा गया। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टेलर और ट्रैविस कैलिफोर्निया के ऑरेंज काउंटी में जूजू स्मिथ-शुस्टर और लॉरा क्रुक की शादी में शामिल हुए। दोनों को वेन्यू में हाथ में हाथ डाले चलते हुए देखा गया। एक-साथ वे काफी खुश लग रहे थे। उनमें नए-नए शादीशुदा जोड़े वाली चमक साफ दिख रही थी।

यह तस्वीरें तब सामने आईं, जब ऐसी खबरें थीं कि टेलर और ट्रैविस ने तीन जुलाई को मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक शानदार समारोह में शादी की थी। जूजू और लॉरा की शादी में उनकी मौजूदगी उनकी अपनी शादी के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति है। इसलिए यह पल उनके फैंस के लिए भी खास बन गया।

टेलर ने इस मौके के लिए एक शानदार स्ट्रैपलेस गाउन चुना। इस पर गुलाबी रंग के फूल बने हैं। वहीं, ट्रैविस ने क्लासिक ग्रे सूट पहना। उन्होंने इसके साथ सफेद शर्ट, मैचिंग टाई, काले लेदर के जूते और डार्क सनग्लासेस पहने थे।

भले ही उनकी हालिया तस्वीरें वायरल हो गई हैं, लेकिन फैंस अभी भी टेलर और ट्रैविस की अपनी शादी की आधिकारिक तस्वीरों का इंतजार कर रहे हैं।

टॉलीवुड

'जन नायकन' को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी रौबदार अंदाज में नजर आए थलापति

फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का रास्ता साफ हो गया है। इस फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। यह जानकारी खुद विजय ने साझा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और अभिनेता विजय की यह फिल्म इस साल की शुरुआत में रिलीज होनी थी, मगर सेंसर बोर्ड में अटके होने की वजह से ऐसा नहीं हो सका। मगर, अब इसकी रिलीज पर मुहर लग गई है।

थलापति विजय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है, जिसमें विजय का नया लुक देखा जा रहा है। अंदाज काफी रौबदार है। पोस्टर पर बैकग्राउंड में बड़ा सा 'ए' लिखा है। साथ ही लिखा है, 'सर्टिफाइड' और 'कमिंग सून'। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म को सेंसर बोर्ड से 'ए' सर्टिफिकेट मिला है। जल्द ही इसे रिलीज किया जाएगा।

फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। दरअसल, कनाडा के एक डिस्ट्रीब्यूटर ने इस बात का इशारा दिया है कि यह फिल्म आखिरकार 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। कनाडा के डिस्ट्रीब्यूटर योर्क सिनेमाज ने बीते दिनों एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'आखिरकार, हमारे अपने थलापति विजय 'जन नायकन' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। कनाडा में यॉर्क सिनेमाज द्वारा रिलीज। 24 जुलाई से सिनेमाघरों में धूम मचेगी। एक शानदार थिएटर अनुभव के लिए तैयार हो जाइए। टिकटों के लिए जुड़े रहिए।'हालांकि फिल्म के मेकर्स ने अभी तक रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

भोजपुरी

हरियाणवी सिंगर-कंपोजर के साथ काम करेंगी अक्षरा, शेयर कीं तस्वीरें

अक्षरा सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन हैं। अभिनय से लेकर सिंगिंग तक, हर क्षेत्र में उनका सिक्का चलता है। अक्षरा अब भोजपुरी सिनेमा से निकलकर दूसरी इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बना रही हैं। फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के 'घिस घिस घिस' गाने में वे अक्षय कुमार के साथ नजर आईं। उन्हें श्रद्धा कपूर की 'ईठा' में भी देखा जाएगा। इसके अलावा अब वे हरियाणवी सिंगर के साथ कोलैब करेंगी।

भोजपुरी अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने आर्य मासूम शर्मा के साथ अपनी कई तस्वीरें पोस्ट की हैं। तस्वीरों में दोनों हंसते-मुस्कुराते पोज दे रहे हैं। दोनों के बीच शानदार केमिस्ट्री देखी जा सकती है। पोस्ट के साथ अक्षरा सिंह ने कैप्शन लिखा है, 'दो अलग मिट्टी का स्वैग, एक ही वाइब। तैयार हो इस कोलैब के लिए'? अक्षरा सिंह व्हाइट कलर के सूट में नजर आ रही हैं, जिस पर पिंक और ब्लू फ्लॉवर प्रिंट है। वहीं, मासूम शर्मा को डैनिम जींस और टी-शर्ट में देखा जा सकता है।

अक्षरा सिंह के इस पोस्ट पर नेटिजंस उत्साह जाहिर कर रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं- 'अरे वाह, दो फेवरेट सिंगर्स।' वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'हम बहुत उत्साहित हैं और शुभकामनाएं भेज रहे हैं।' एक यूजर ने लिखा है, 'जरूर कुछ बवाल आने वाला है। हरियाणवी के साथ अपना भोजपुरी स्वैग देखने को मिलेगा'। बता दें कि आर्य मासूम शर्मा जिन्हें मासूम शर्मा के नाम से जाना जाता है, वे हरियाणा के मशहूर गायक, गीतकार और संगीतकार हैं।

लाइफ स्टाइल

इलास्टिक वेस्टबैंडका फ़ैशन

अब तक, इलास्टिक वेस्टबैंड का इस्तेमाल ज़्यादातर बड़े साइज़ के कपड़ों, पजामों, काम के कपड़ों और बच्चों के कपड़ों में ही होता था। स्पोर्ट्सवियर में भी इलास्टिक वेस्टबैंड को पसंद किया जाता है। अब फ़ैशन की दुनिया ने भी इस ट्रेंड को अपना लिया है और स्ट्रेची वेस्टबैंड वाली 'पुल-ऑन' ट्राउज़र और स्कर्ट्स पेश कर रही है। ये फ़्लाइट, लंबी कार यात्रा या ऑफ़िस के दिनों के लिए एकदम सही हैं।

फेस शेप के हिसाब से चुनें सनग्लास, निखरेगा चेहरा

सही सनग्लासेज आपके चेहरे के आकार के अनुसार चुना जाना चाहिए। ओवल फेस पर लगभग सभी फ्रेम अच्छे लगते हैं, राउंड फेस पर स्क्वायर या रेकटैंगुलर फ्रेम, स्क्वायर फेस पर राउंड या एविएटर, हार्ट फेस पर एविएटर या बटरफ्लाई और डायमंड फेस पर कैट आई या ओवर फ्रेम्स सबसे बेहतर माने जाते हैं। सही फ्रेम आपके चेहरे का संतुलन बनाए रखता है और लुक को अधिक स्टाइलिश बनाता है। धूप से आखों की सुरक्षा के साथ ही फैशन और स्टाइल के लिए सनग्लासेज एक अहम एक्सेसरीज है। लेकिन अक्सर लोग केवल ट्रेंड देखकर सनग्लास खरीद लेते हैं। बाद में उन्हें महसूस होता है कि वो सनग्लास तो उनके चेहरे पर उतने अच्छे लग ही नहीं रहे। इससे उनका लुक और पर्सनैलिटी दोनों खराब नजर आती है।

3चश्मा खरीदते समय भी आपको ये ध्यान रखना होता है कि उसके फ्रेम आपके चेहरे पर जंच रहे हैं या नहीं। यहीं पर लोग गलती कर जाते हैं जब वह फेस शेप के अनुसार सही फ्रेम का चुनाव नहीं करते। हर व्यक्ति का चेहरा अलग होता है। किसी का चेहरा ओवल होता है तो किसी का गोल, स्क्वायर, हार्ट शेप या डायमंड शेप का। हर फेस शेप पर एक जैसा फ्रेम अच्छा नहीं लगता। सही फ्रेम आपके चेहरे की विशेषताओं को उभारता है, संतुलन बनाता है और आपके पूरे लुक को अधिक आकर्षक बना देता है। वहीं गलत फ्रेम आपके चेहरे की बनावट को असंतुलित दिखा सकता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका चश्मा सिर्फ फैशनेबल नहीं, बल्कि आपकी पर्सनैलिटी पर भी पूरी तरह सूट करे, तो सबसे पहले अपने चेहरे के आकार यानी फेस शेप की पहचान करें। उसके हिसाब से देखें कि आप पर कैसे सनग्लासेज या फ्रेम अच्छे लगेंगे। आइए जानते हैं कि किस चेहरे पर कौन-सा सनग्लासेज सबसे ज्यादा स्टाइलिश और परफेक्ट दिखाई देता है।

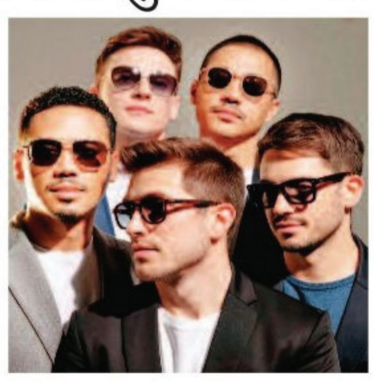

ओवल फेस वालों के लिए सबसे आसान चुनाव

अगर आपका चेहरा ओवल शेप का है, तो आप सबसे भाग्यशाली माने जाते हैं। क्योंकि इस फेस शेप पर लगभग हर तरह का फ्रेम अच्छा लगता है। वेफेयरर, गोल, ओवरसाइज्ड, स्क्वायर और एविएटर जैसे लगभग सभी सनग्लासेज आपके चेहरे पर आसानी से सूट कर सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखें कि फ्रेम आपके चेहरे के अनुपात से बहुत बड़ा या बहुत छोटा न हो।

गोल चेहरे पर एंगुलर फ्रेम देते हैं स्मार्ट लुक

राउंड फेस में गाल भरे हुए और चेहरे की चौड़ाई व लंबाई लगभग समान होती है। ऐसे चेहरे पर स्क्वायर, रैक्टैन्गुलर और वायफेरर जैसे एंगुलर फ्रेम चेहरे को लंबा और अधिक शार्प दिखाते हैं। बहुत ज्यादा गोल फ्रेम पहनने से चेहरा और भी गोल दिखाई दे सकता है।

मानसून में साड़ी की कुछ खास डिजाइन जीत लेगी आपका दिल

बारिश का मौसम शुरू हो गया है और ऐसे मौसम में अधिकतर महिलाएं आरामदायक और हलके कपडे पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर आप भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं, तो ये खबर आपके लिए खास हो सकती हैं। आज हम आपको इस सीजन में पहनने के लिए कुछ ऐसे साड़ी के कलेक्शन बताएंगे, जिन्हें ट्राई कर आप बला की खूबसूरत लग सकती हैं।

लाइट पिंक प्योर लिनन साड़ी

अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए और मानसून में आरामदायक लुक पाने के लिए अगर आप भी साड़ी तलाश रही हैं, तो आपके लिए यह लाइट पिंक प्योर लिनन साड़ी बेस्ट हो सकती हैं। ऐसी साड़ी को आप मार्केट जाकर अपने लिए खरीद सकती हैं। या ऑनलाइन भी आर्डर कर सकती हैं। यह साड़ी आपको स्टाइलिश लुक देने के साथ साथ आपको कम्फर्ट लुक देने में भी मदद करेगी।

लाइट ग्रीन वोवेन लिनन साड़ी

मानसून सीजन में स्टाइल करने के लिए आप लेटेस्ट साड़ी डिजाइन देख रही हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। आप इस खूबसूरत लाइट ग्रीन वोवेन लिनन साड़ी को ट्राई कर सकती हैं और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। अधिकतर महिलाएं बरसात के मौसम में इस तरह की साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में आपके लिए ये बेस्ट हो सकती हैं।

शिबोरी लिनन साड़ी

बारिश के मौसम में उमस होना एक आम बात है, लेकिन ऐसी उमस में रोजाना अलग अलग ऑउटफिट पहनकर ऑफिस या कॉलेज जानें में अधिकतर वर्किंग वीमेन को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अब आप इस खूबसूरत शिबोरी लिनन साड़ी को भी ट्राई कर सकती हैं।

इस स्क्रब से आप भी कर सकती हैं डार्क एल्बो को कम, जानें बनाने का तरीका

महिलाएं न सिर्फ अपने चेहरे की खूबसूरती बल्कि हर छोटी-छोटी चीजों का बहुत ध्यान रखती हैं। ऐसे में अधिकतर महिलाएं कोहनी के कालेपन की वजह से काफी परेशान रहती है। अगर आप भी कोहनी पर जमी टैनिंग और गंदगी को कम करना चाहती है, तो ब्यूटी एक्सपर्ट के बताएं कुछ आसान उपाय को आजमा सकती हैं। इन उपाय को कर आप राहत पा सकती हैं।

टैनिंग रिमूवल स्क्रब

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक कोहनी पर जमा कालापन शर्मिंदगी का कारण बन सकता है, जिसकी वजह से अधिकतर महिलाएं परेशान रहती हैं। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप घर पर रहकर एक खास स्क्रब तैयार कर इससे छुटकारा पा सकती हैं। स्क्रब बनाने के लिए आपको शहद,ओट्स,चीनी और नींबू का रस जैसी कुछ सामग्री की जरूरत लगेगी।

कोहनी के कालेपन को कम करने के लिए अगर आप भी घर पर स्क्रब बनाने का सोच रही हैं, तो इसे बनाने के लिए सबसे पहले आप ओट्स को मिक्सर या ब्लेंडर की मदद से पीस लें। ध्यान रहे आपको इन्हें ज्यादा बारीक आते जैसा नहीं करना है। आप इसे दरदरा रखें। अब आप ओट्स को पीसकर एक कंटेनर में इसे निकाल लें, अब इसमें दो बड़े चम्मच शहद, दो चम्मच चीनी और नींबू का रस मिला दे। अब इस पेस्ट को अच्छी तरह फेंट ले। अब आपका स्क्रब बनकर तैयार है, आप इसे कोहनी पर लगाने से पहले अपनी कोहनी को अच्छी तरह पानी से धो लें, उसके बाद इसे लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इस स्क्रब का आप एक हफ्ते में दो बार इस्तेमाल कर सकती है।

स्टाइलिश लुक के लिए परफेक्ट हैं खास इयररिंग्स

इयररिंग्स आपके लुक में नई जान डालने का काम करते हैं, और साथ ही, आपके लुक को स्टाइलिश और ब्यूटीफुल भी बनाते हैं। इसलिए आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले इयररिंग्स पर नजर डालनी चाहिए। इस तरह के इयररिंग्स ऑफिस में आपको प्रोफेशनल लुक देने का काम करेंगे, साथ ही, अगर आप इन्हें पार्टी में पहनती हैं, तो ये आपके लुक में चार चांद लगा देंगे।

पर्ल इयररिंग्स

डार्क कलर के आउटफिट में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के पर्ल इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स फ्लावर डिजाइन में हैं और इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर नजर आएगा। ये इयररिंग्स आप किसी पार्टी में शामिल होने के दौरान पहन सकती हैं और ये आपको 200 रुपये तक की कीमत में आसानी से मिल सकते हैं।

अलॉय डिजाइन इयररिंग्स

पर्ल वर्क में आप इस तरह के अलॉय डिजाइन वाले इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये इयररिंग्स जहाँ अलॉय डिजाइन में हैं, वहीं ये पर्ल वर्क में भी हैं। इस तरह के इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं और इन्हें आप लाइट और डार्क कलर के आउटफिट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये इयररिंग्स आपको आसानी से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 200 रुपये से 300 रुपयेकी कीमत में मिल सकते हैं।

क्यूबिक डिजाइन इयररिंग्स

अगर आप ऑफिस में साड़ी या सूट स्टाइल कर रही हैं, तो आप इस तरह के क्यूबिक डिजाइन वाले इयररिंग्स पहन सकती हैं। ये इयररिंग्स न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट हैं और इन्हें आप बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से सस्ते दाम में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं। पार्टी में स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इस तरह के स्टोन वर्क इयररिंग्स का चुनाव कर सकती हैं। ये स्टोन वर्क इयररिंग्स फ्लोरल डिजाइन में हैं।

कार्नर न्यूज

आपके लुक को क्लासी टच देंगे कुछ चुनिंदा हेयर स्टाइल

अपने लुक को बनाना है क्लासी तो इन हेयर स्टाइल से लें इंस्पिरेशन, महफिल की रौनक बन जाएंगी आप

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए जहां महिलाएं बेस्ट आउटफिट का चुनाव करती हैं, तो वहीं परफेक्ट हेयर स्टाइल भी आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करता है। अगर आप अपने लुक को क्लासी टच देना चाहती हैं, तो आप एक्ट्रेसेस के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। ये हेयर स्टाइल्स आप किसी पार्टी या किसी खास इवेंट में शामिल होने के दौरान बना सकती हैं। वहीं, इन हेयर स्टाइल्स में आपका लुक बेहद ही अलग और सुंदर नजर आएगा। हम आपको एक्ट्रेसेस के कुछ ऐसे हेयर स्टाइल दिखा रहे हैं, जो आपके लुक को क्लासी और नया लुक देने का काम करेंगे।

साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल

साड़ी में क्लासी लुक पाने के लिए आप एक्ट्रेस अनन्या पांडे के हेयर स्टाइल से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। एक्ट्रेस ने साइड-स्वेप्ट हेयर स्टाइल बनाया है और इसमें उनका लुक बेहद ही सुंदर और स्टाइलिश नजर आ रहा है। इस तरह के हेयर स्टाइल को बनाने के लिए आप बालों को पीछे की तरफ खींचकर ऊपर करके ओर इकट्ठा करके बांध लें। इसके बाद आगे की तरफ कुछ बालों को वेव या कर्ल करके ब्यूटीफुल लुक पाएं।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

सबसे पहले बालों को दाएं या बाएं किसी भी तरफ साइड पार्ट करें।इसके बाद पिन की मदद से अच्छी तरह सेट करें। आगे आए हुए बालों को फ्लैट आयरन की मदद से स्ट्रेट करें।इसके साथ आप हेयर क्लिप या फ्लोरल पिन एक्सेसरीज भी लगा सकती हैं।

वेवी हेयर स्टाइल

अगर आप किसी इवेंट या पार्टी में शामिल हो रही हैं और इस दौरान साड़ी या ड्रेस पहन रही हैं, तो आप एक्ट्रेस मेधा शंकर की तरह वेवी हेयर स्टाइल बना सकती हैं। इस तरह का हेयर स्टाइल आपके लुक को स्टाइलिश और क्लासी टच देने का काम करेगा और इसे बनाने के बाद आपका लुक सुंदर भी नजर आएगा।

इस तरह बनाएं ये हेयर स्टाइल

बालों को 3-4 सेक्शन में बांटें और इसके बाद कर्लिंग आयरन की मदद से हल्के कर्ल बनाएं।इसके बाद आप हाथों से हल्के से कर्ल्स को खोल दें। क्लासी लुक के लिए कुछ बेहतरीन हेयरस्टाइल्स में फ्रेंच ट्विस्ट, स्लीक बन, साइड पार्टेड वेव्स, और ब्रेडेड बन शामिल हैं। ये हेयरस्टाइल्स न केवल स्टाइलिश हैं, बल्कि इन्हें बनाना भी अपेक्षाकृत आसान है।

फ्रेंच ट्विस्ट

यह एक क्लासिक और एलिगेंट हेयरस्टाइल है जो किसी भी अवसर के लिए उपयुक्त है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके ट्विस्ट करें और बॉबी पिन से सिक्योर करें।

स्लीक बन

एक स्लीक बन एक और शानदार विकल्प है। इसे बनाने के लिए, बालों को कंघी करके पीछे की तरफ बांध लें और फिर एक बन बना लें। आप इसे अपनी पसंद के अनुसार हाई या लो बना सकते हैं।

साइड पार्टेड वेव्स

साइड पार्टेड वेव्स एक फैशनेबल और ट्रेंडी हेयरस्टाइल है। इसे बनाने के लिए, बालों को एक तरफ करके कंघी करें और फिर वेव्स बनाएं।

एचपीवी संक्रमण महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का प्रमुख कारण, समय पर टीका सुरक्षा की ढाल : रेना जमील

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने दिए टीकाकरण सप्ताह एवं माय भारत पंजीयन के निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सोमवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने विभागों की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा कर संबंधितो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिले में 13 से 18 जुलाई तक आयोजित विशेष एचपीवी टीकाकरण सप्ताह के सफल आयोजन हेतु महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी पात्र बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि एचपीवी संक्रमण महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का प्रमुख कारण है तथा समय पर लगाया गया टीका इस गंभीर बीमारी से सुरक्षा की प्रभावी ढाल है। कलेक्टर ने एचपीवी टीकाकरण सप्ताह अंतर्गत सभी शैक्षणिक संस्थानों आश्रम-छात्रावासों, मदरसों तथा विद्यालय से बाहर की पात्र बालिकाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए, जिन क्षेत्रों में उपलब्धि अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष फोकस करने की बात कहीं। उन्होंने शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से तय समय सीमा के भीतर निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने को कहा। इसके साथ ही प्रत्येक टीकाकरण सत्र की जानकारी यू-विन पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिये इसी क्रम में बैठक में माय भारत अंतर्गत गठित जिला सलाहकार एवं जिला समन्वय समिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 25 हजार युवाओं को माय भारत पोर्टल से जोड़ने के लक्ष्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग ग्राम पंचायतों,

विद्यालयों, महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, कौशल विकास संस्थानों, एनएसएस, एनसीसी, नेहरू युवा केंद्र तथा अन्य युवा संगठनों के समन्वय से विशेष अभियान चलाकर अधिकाधिक पात्र युवाओं का पंजीयन सुनिश्चित करें। जिला युवा अधिकारी ने बताया कि सभी पात्र युवा वेबसाइट पर नि:शुल्क ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। बैठक में कलेक्टर ने अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से अपील की कि वे 14 से 15 वर्ष की प्रत्येक पात्र बालिका को निकटतम सत्र में नि:शुल्क एचपीवी टीका अवश्य लगवाएं तथा पात्र युवाओं को माय भारत पोर्टल से जोड़कर इन जनहितकारी अभियानों को सफल बनाने में सहयोग करें।

जिले में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के निर्देश

जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में जमीन संबंधी विवादों के त्वरित निराकरण के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। साथ ही विभिन्न समाज एवं संप्रदायों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की रैली, धरना-प्रदर्शन एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान पर्याप्त कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।कलेक्टर ने रात्रिकालीन गश्त को प्रभावी बनाने, चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 के प्रभावी संचालन तथा महिला एवं बालिकाओं से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नशे के विरुद्ध करें सख्त कार्रवाई

जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति की बैठक में कलेक्टर ने पुलिस, आबकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों से एनकॉर्ड के अंतर्गत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की।

जिले में युवाओं का नशीले पदार्थों के उपभोग में संलिप्तता पर कलेक्टर ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार एवं इसके प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी विभाग निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें।

कलेक्टर ने स्कूल एवं कॉलेज परिसरों के 100 मीटर के दायरे में संचालित गुटखा, सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री करने वाले केंद्रों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करते हुए उन्हें हटाने के निर्देश दिए। साथ ही कोटपा अधिनियम के तहत पुलिस द्वारा नियमित कार्रवाई सुनिश्चित करने, अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री पर सख्त कार्रवाई करने तथा एनडीपीएस अधिनियम एवं नारकोटिक्स संबंधी प्रावधानों के तहत दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में नशामुक्ति के लिए जनचौपाल, जनजागरूकता अभियान, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम तथा आमजन की सहभागिता से नशे के विरुद्ध व्यापक अभियान संचालित करने पर भी जोर दिया गया।

कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों से जिले को नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशे से बचाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राम मंदिर चंदा चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अयोध्या स्थित प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर निर्माण के नाम पर देशभर से एकत्रित किए गए चंदे में कथित रूप से हुई %चंदा चोरी% और भारी वित्तीय अनियमितताओं का मामला अब पूरी तरह गरमा चुका है इस संवेदनशील और बड़े मुद्दे को लेकर शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज डालमिया एवं ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष जफर हैदर के संयुक्त नेतृत्व में कार्यालय से अग्रसेन चौक तक रैली निकालकर कांग्रेसियों अग्रसेन चौक पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस द्वारा इस महाघोटाले के विरोध में उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसियों ने कहा कि प्रभु श्री राम देश के करोड़ों नागरिकों की अगाध आस्था के केंद्र हैं देश के गरीब से लेकर अमीर तक हर वर्ग ने अपनी गाढ़ी कमाई का हिस्सा राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पित किया था लेकिन सामने आई वित्तीय अनियमितताओं और जमीनों की खरीद फरोख्त में हुए खेल ने यह साबित कर दिया है कि आस्था के नाम पर जनता की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया गया है। कांग्रेस इस चंदा चोरी के खिलाफ चुप नहीं बैठेगी और सड़क से लेकर सदन तक इसकी जांच की मांग करेगी। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष कुसुमलता राजवाड़े, शहर कांग्रेस संगठन महामंत्री मनोज अग्रवाल, हेमेंद्र गुप्ता, मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र बंसल, विष्णु कसेरा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू, भावना सिंह नेताम, नीरज तायल, मधु साहू, धर्मेन्द्र सिंह, राजेश साहू, सूरज अवस्थी, किशुन सिंह, संजय जैन, दिनेश सोनी, रामचन्द्र राजवाड़े, सैयद सलीम, गिरधारी साहू, प्रशांत साहू, चंदूल राम, लालचंद देवांगन, प्रवीण सोनी, शिवम साहू, अफरोज खान, कबीर देवांगन, आशीष कुशवाहा, शिव राजवाड़े, मनीष देवांगन, मदन पैकरा, चिराग यादव, सोनू यादव, आशीष कुमार, मुकेश देवांगन, लक्की सिंह, अर्जुन यादव, सत्या प्रजापति, मोंटी राजवाड़े, विकाश सिंह, पृथ्वी देवांगन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर गंगोटी क्षेत्र से 04 हाईवा जप्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खनिज व राजस्व अमला एवं जिला स्तरीय टास्क फोर्स द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कार्यवाही की जा रही है। जांच के दौरान पत्थर, गिट्टी, मुरूम, मिट्टी, ईंट, रेत आदि खनिजों का अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर संलग्न मशीनरी एवं वाहनों को नियमानुसार जप्त कर प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। जिले में गठित टास्क फोर्स द्वारा सोमवार को भैयाथान के गंगोटी क्षेत्र से 4 हाईवा में 56 घन मीटर अवैध रेत का परिवहन करते पाया गया। अवैध वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करते हुए चारों वाहनों को पुलिस थाना बसदेई में सुपुर्द कराया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु ऐसी कार्यवाही निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

जमीन विवाद पर भाई व बहु ने की ग्रामीण पिटाई, रेवटी पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट आहत शिकायत लेकर पहुंचा एसपी ऑफिस

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जमीन सम्बन्धी पारिवारिक विवाद पर छोटे भाई व बहु ने बड़े भाई की जमकर पिटाई कर दी है। मामला जिले के रेवटी चौकी क्षेत्र के गोविंदपुर का है। चौकी की कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़ित ग्रामीण न्याय की आस लिए यहां जिला मुख्यालय में एसपी से शिकायत करने पहुंचा था। पीड़ित ग्रामीण धनसाय ने एसपी ऑफिस में दिए अपने शिकायत पत्र में बताया है कि लंबे समय से उसका जमीन सम्बन्धी पारिवारिक विवाद उसके छोटे भाई लालसाय के साथ चल रहा है। इसी को लेकर विगत दिनों लालसाय और उसकी पत्नी श्यामपति ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से उसके साथ जमकर मारपीट कर दिया। जिससे उसके पीठ व

शरीर में गंभीर चोंट आई है। जिसकी शिकायत आहत ने रेवटी चौकी में दर्ज कराया है। आहत के अनुसार वह चौकी की जांच कार्रवाई से वह संतुष्ट नहीं है। जिसकी शिकायत लेकर ग्रामीण एस पी आफिस पहुंचा था। मामले में अतिरिक्त् पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन ने कहा कि रेवटी चौकी में अपराध दर्ज किया गया है।

डाक्टरी रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

जिला जेल में बंदियों को दिया गया आरसेटी का कौशल प्रशिक्षण, 35 बंदियों ने सीखा अगरबत्ती, साबुन और हैंडवॉश निर्माण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला जेल में बंदियों के पुनर्वास एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आरसेटी द्वारा आयोजित 13 दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में 35 बंदियों ने भाग लेकर अगरबत्ती, साबुन एवं हैंडवॉश निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिला जेल अधीक्षक विक्रम गुप्ता के मार्गदर्शन एवं सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण 2 से 13 जुलाई तक संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कम लागत में स्वरोजगार स्थापित करने, उत्पाद निर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, विपणन तथा बैंकिंग संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

आरसेटी के निदेशक अशोक कुमार राणा, फैकल्टी परमानंद एवं मयंक तिवारी, तथा प्रशिक्षक श्रीमती भगवंती ने प्रशिक्षण के दौरान बंदियों को उद्यमिता विकास, वित्तीय साक्षरता एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस सभी 35 प्रतिभागियों का लिखित एवं प्रायोगिक मूल्यांकन ईडीपी एवं डोमेन असेसर द्वारा किया गया।

जेल अधीक्षक विक्रम गुप्ता ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम बंदियों में सकारात्मक सोच विकसित करने के साथ उन्हें रिहाई के बाद आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पहल के लिए आरसेटी की पूरी टीम की सराहना की।

आरसेटी के निदेशक अशोक कुमार राणा ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना ही नहीं, बल्कि रिहाई के बाद बैंक लिंकेज, ऋण सुविधा एवं दो वर्ष तक हैंडहोल्डिंग सहायता उपलब्ध कराकर बंदियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सहयोग देना भी है। उन्होंने बताया कि अगरबत्ती एवं साबुन निर्माण जैसे लघु उद्योगों के माध्यम से प्रशिक्षित व्यक्ति प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकते हैं।

कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली नई दिशा, अधिकारी बने निक्षय मित्र

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। स्वास्थ्य विभाग ने जिले में टीबी मुक्त भारत, गांव गांव, शहर शहर'' सौ दिवसीय अभियान के अंतर्गत चिन्हांकित क्षय रोगियों के उपचार एवं पोषण आहार उपलब्ध कराने के साथ ही नये निक्षय मित्र जोड़ने का अभियान प्रारंभ किया है। इस पहल के तहत सामाजिक स्तर पर लोग क्षय रोगियों को गोद लेंगे और अगले छह माह से अपनी इच्छानुसार एक वर्ष अथवा तीन वर्ष तक उनके पोषण का ध्यान रखेंगे।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र अभियान को जिले की कलेक्टर रेना जमील एवं जिपं सीईओ विजेन्द्र पाटले के नेतृत्व में नई दिशा दी गई। जिले के विभिन्न अधिकारियों द्वारा कुल 20 टीबी मरीजों को अभियान के अंतर्गत गोद लेकर उन्हें अतिरिक्त पोषण सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में टीबी रोगियों को दानदाताओं की उपस्थिति में पोषण आहार किट का वितरण किया जा रहा है, जो आम जनों के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम से जुड़ने और टीबी मुक्त भारत अभियान में अपना योगदान देने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभियान से जिले में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी, मरीजों के प्रति भेदभाव समाप्त होगा तथा सूरजपुर को टीबी मुक्त जिला बनाने में सहायता मिलेगी। जिपं सीईओ ने अभियान एवं पोषण आहार किट के संबंध में उपस्थित अधिकारियों को विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर एवं सीईओ की अपील पर महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी शुभम बंसल, खाद्य अधिकारी संदीप भगत, वन विभाग के एसडीओ अशोक तिवारी, माइनिंग ऑफिसर भूषण पटेल, सहायक

संचालक उद्यान जयपाल सिंह मारवी, डीएमसी समग्र शिक्षा मनोज साहू, डॉ. नृपेन्द्र सिंह, आर.ई.एस. से संजय कुमार गोढ़, ट्रेजरी ऑफिसर प्रेमशंकर तिवारी, उप संचालक पंचायत विक्रम बहादुर, ईडीएम सुमित सिंह, डीआईओ एनआईसी रोहन सिंह, जनपद ओढ़गी के सीईओ नीलेश सोनी, भैयाथान सीईओ विनय गुप्ता, प्रतापपुर सीईओ अनिल तिवारी एवं जीएम डीआईसी फिलिप तिग्गा ने निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को उनके उपचार के दौरान पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक कुल छह माह अतिरिक्त पोषण सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया। ये सभी निक्षय मित्र जिले के चयनित टीबी मरीजों को उच्च प्रोटीनयुक्त पोषण आहार किट प्रतिमाह उपलब्ध कराएंगे। इस अवसर पर जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. राजेश पैंकरा एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव के निर्देश पर सभी निक्षय मित्रों का पंजीयन निक्षय पोर्टल पर किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैंकरा ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत दो प्रकार के कार्यक्रम-अतिरिक्त पोषण सहायता एवं सामाजिक मानसिक सहायताकृसंचालित किए जा रहे हैं। अभियान के प्रारंभ से अब तक कुल 96 निक्षय मित्र बनाए गए हैं, जिनमें 70 निक्षय मित्र अतिरिक्त पोषण सहायता के लिए एवं 26 निक्षय मित्र सामाजिक-मानसिक सहायता के लिए पंजीकृत हैं। अभियान की शुरुआत से अब तक कुल 1432 पोषण आहार किट टीबी मरीजों को प्रदान की गई हैं, जबकि कुल 156 मरीजों को मानसिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक-मानसिक सहायता हेतु माय भारत वालंटियर एवं एन.एस.एस. के सदस्यों को कार्यक्रम से जोड़कर सहयोग लिया जा रहा है। इसी प्रकार पोषण सहायता कार्यक्रम में प्रकाश इंडस्ट्रीज, एस.ई.सी.एल. सहित अन्य उद्योगों के सीएसआर मद तथा युवा साथी फाउंडेशन, एस.आर.पी.आर. हॉस्पिटल, साधुराम विद्या मंदिर एवं पाण्डे पैथोलैब जैसी संस्थाओं के योगदान से कुल 163 मरीजों को निरंतर सहायता पहुंचाई जा रही है। शीघ्र ही शत-प्रतिशत मरीजों को पोषण आहार किट उपलब्ध कराने हेतु दानदाताओं को कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेट हेतु जिले के स्कूलों में लगेंगे संकुलवार शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की शासकीय शालाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लंबित आधार बायोमेट्रिक अपडेशन को मिशन मोड में पूर्ण करने के लिए कलेक्टर कार्यालय के ई-गवर्नेंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा जिले की समस्त शालाओं में संकुलवार आधार बायोमेट्रिक अपडेशन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी एवं समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक डाटा यूआईडीएआई में अपडेट किया जाएगा तथा इसकी प्रविष्टि यू-डाइस पोर्टल पर की जाएगी। इस अभियान के अंतर्गत संलग्न सूची के अनुसार जिले के सूरजपुर, भैयाथान, ओड़गी, प्रतापपुर, प्रेमनगर एवं रामानुजनगर विकासखण्डों की 22 शालाओं को चिन्हांकित

किया गया है, जहाँ आधार आपरेटरों की तैनाती कर छात्र-छात्राओं का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट किया जाएगा। चिन्हांकित शालाओं में 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेशन लंबित है, जिनमें 5 से 15 वर्ष तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थी शामिल हैं। प्राचार्य, प्रधानपाठकों को निर्देशित किया गया है कि वे यू-डाइस पोर्टल की शालावार सूची के अनुसार छात्र-छात्राओं की आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें तथा शिविर की जानकारी प्राप्त होते ही, सभी पालकों एवं विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए तय समय पर उपस्थिति हेतु आवश्यक प्रचार-प्रसार करें। विद्यार्थियों के बायोमेट्रिक अपडेशन के साथ साथ इन शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत 0 से 6 वर्ष के बच्चों के नवीन आधार पंजीयन तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुष्मान कार्ड में आधार ई-केवाईसी हेतु आने वाले हितग्राहियों के लिए भी आवश्यक व्यवस्था की गई है, जिससे एक ही शिविर में विविध आधार संबंधी सेवाओं का लाभ नागरिकों को मिल सकेगा।

द्वितीय चरण में शेष विद्यालयों में शिविर आयोजित का एमबीयू के लक्ष्य की पूर्ति की जाएगी।

कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचे 48 फरियादी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की

कलेक्टर ने समस्याएं एवं मांगें सुनीं। जनदर्शन में कुल 48 शिकायत एवं आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें राजस्व, पंचायत, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य विभागों से संबंधित प्रकरण शामिल रहे। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने सभी आवेदनों का गंभीरतापूर्वक अवलोकन करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक आवेदन पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए। जनदर्शन के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पत्नी से कहासुनी के बाद घर की मयार में युवक ने लगाई फांसी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत पहाड़गांव में शराब की लत को लेकर बीती रात पत्नी से हुए विवाद के बाद 33 वर्षीय युवक ने घर की मयार में फांसी लगाकर अपने जीवन की इहलीला समाप्त कर ली है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत पहाड़गांव निवासी 33 वर्षीय लक्ष्मण सिंह पिता स्व. समय लाल सिंह शराब पीने का आदी था। इस बात पर बीती रात भी पत्नी ने उसे समझाते हुए कहा कि वह रोज शराब पीकर घर आता है, तीन बच्चों की जिम्मेदारी है, खेती-किसानी का समय चल रहा है लेकिन वह खेतों में भी काम नहीं कर रहा है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसी बात से क्षुब्ध होकर युवक ने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

निजी अस्पतालों से संबंधित मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करें-कलेक्टर

समय सीमा की बैठक में शासन के बुवाई पद्धति की जानकारी किसानों को देने के निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक हुई। इस दौरान उपवनमण्डलाधिकारी श्वेता कम्बोज, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप, सर्व एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में अपूर्ण कार्यों के स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि शेष प्रकरणों पर 15 दिनों में प्रगति लाएं। उन्होंने जिले में अतिक्रमण पर कार्रवाई की जानकारी ली तथा कहा कि सार्वजनिक भूमि, सड़क, नालों एवं शासकीय संपत्तियों पर किए गए अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए सभी औपचारिकताओं को जल्द पूरा करने कहा। कलेक्टर ने निर्माण विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को मजदूरी भुगतान समय पर मिल जाए। उन्होंने सीएमएचओ को प्राइवेट अस्पतालों से सम्बंधित प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, सभी अस्पतालों की टीम बनाकर जांच करने कहा गया। इस दौरान सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा कर शेष प्रकरणों को जल्द निराकृत करने अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विस्तार, नक्शा प्रोजेक्ट की स्थिति, एनएचएम भर्ती प्रक्रिया में प्रगति, ऑनलाईन उपस्थिति, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की जानकारी, अनुकम्पा नियुक्ति प्रकरणों सहित अन्य कार्यों की जानकारी ली गई तथा सम्बंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान सीएम हेल्पलाइन, जनदर्शन, जन चैपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई।

अपात्रों का दस्तावेज संकलित करने दिए निर्देश

कलेक्टर ने जिले में जाति प्रमाण पत्र संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम सभाओं के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र के लिए अपात्र पाए गए व्यक्तियों के दस्तावेजों का संकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों का नियमानुसार परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

कलेक्टर ने विभागों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। अधिकारी जिम्मेदारी का गम्भीरता से क्रियान्वयन करें, किसी प्रकार की लापरवाही ना रहे। उन्होंने कहा कि जिले का शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने जिले में वर्षा के मद्देनजर कृषि की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली। बैठक में फसलों की स्थिति, खरीफ बुवाई, रोपाई की प्रगति तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही कृषि सेवाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा अनुशंसित बुवाई पद्धतियों की जानकारी किसानों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाई जाए। खाद-बीज की उपलब्धता की जानकारी ली तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में किसानों को खाद एवं गुणवत्तापूर्ण बीज की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस दौरान उन्होंने एग्रिस्टेक पंजीयन की जानकारी ली।

सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक में संगठन को कैडर बनाने पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक सोमवार को जिला कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की अध्यक्षता में हुई। बैठक प्रदेश कांग्रेस के जिलाध्यक्षों के 20 से 29 जून तक चले 10 दिवसीय परीक्षण सत्र के बाद आयोजित की गई थी। बैठक में प्रशिक्षण में प्राप्त संगठनात्मक जानकारी के साथ ही जिला संगठन के विभिन्न सोपानों के नियमित कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी की कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ ही कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता, जिले के सभी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, मोर्चा-संगठन-प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं अंबिकापुर शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के मंडल अध्यक्ष शामिल हुए।

चयन का आधार प्रतिभा, न कि सिफारिश

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि 'कांग्रेस अपने संगठन में ऊपर से नीचे तक जो बदलाव कर रही है वो पार्टी को कैडर में बदलने जा रहा है। पार्टी में आपकी तरक्की आपके काम पर निर्भर करेगी।' उन्होंने कहा कि जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण के दौरान राहुल गांधी एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जो व्याख्यान किया, उससे यह स्पष्ट हो गया है कि पार्टी हर स्तर पर लोगों का चयन प्रतिभा के आधार पर करेगी न कि सिफारिश के आधार पर।

कनेक्ट सेंटर के माध्यम से कार्यों की मॉनिटरिंग

कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने बैठक में मौजूद कांग्रेस के वरिष्ठ और कनिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से प्रशिक्षण के दौरान संगठन को चलाने के लिये बताई गई जानकारियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब कनेक्ट सेंटर के माध्यम से जिला संगठन को दिये गये कार्यों की मॉनिटरिंग कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों को समयावधि में संचालित करने के साथ ही साथ मतदाता सूची जैसे विषयों पर भी गहराई से कार्य करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यों का मूल्यांकन करने के साथ ही साथ ऐसे जिलाध्यक्षों, ब्लॉक अध्यक्षों और पदाधिकारियों को हटाने पर भी कार्य कर रही है जो पार्टी कार्यक्रमों पर पार्टी की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं।

बैठकों का मासिक शैड्यूल जारी

जिलाध्यक्षों के प्रशिक्षण कार्यक्रम से प्राप्त इनपुट एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव से प्राप्त सुझाव के अनुसार जिला संगठन में बूथ, सेक्टर, मंडल, ब्लॉक एवं अंत में जिला कार्यकारिणी की नियमित बैठक का कार्यक्रम, इस बैठक में अनुमोदित किया गया है। जिला संगठन के उपरोक्त सोपान में सबसे अंत में जिला कार्यकारिणी की बैठक होगी, जिसमें बूथ से लेकर ब्लॉक तक के माह भर के कार्यों की समीक्षा होने के साथ ही आगामी माह के कार्यक्रम का एजेंडा सेट होगा। बैठक में ब्लॉक एवं मंडल प्रभारियों के तर्ज पर मंडल कार्यकारिणी सेक्टर एवं बूथ के प्रभारियों की नियुक्ति पर सहमति बनी है।

राममंदिर में चढावा और चंदा चोरी को लेकर जिला कांग्रेस ने निकाली आक्रोश रैली

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राममंदिर में चढ़ावा और चंदा चोरी, मंदिर निर्माण में आर्थिक अनियमितताओं को लेकर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन से श्री राम मंदिर तक आक्रोश रैली निकाल विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर यह प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद केन्द्र की मोदी सरकार के द्वारा नामित ट्रस्ट के द्वारा अयोध्या स्थित श्री रामलला के मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। इस ट्रस्ट में मौजूद सभी लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दु परिषद के पृष्ठभूमि से हैं। इस मंदिर के निर्माण हेतु भूमि अधिग्रहण से लेकर निर्माण में कमीशन और अब चढ़ावा के सैकड़ों करोड़ रुपये की चोरी के आरोप इस ट्रस्ट पर लगे हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार के द्वारा गठित एसआईटी ने मंदिर में चढावा चोरी की पुष्टि भी की है।

इस दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने कहा कि यह लोगों की आस्था पर अक्षम्य कुठाराघात है। प्रबंधन संतों और गुरुजनों को एवं ऐसे स्वतंत्र लोगों को दे देना चाहिये। प्रबंधन में संघ का कब्जा स्वीकार नहीं है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के चंदा चोरों को भगवान सद्बुद्धि दे। उन्होंने कहा कि एसआईटी को यह भी जांच करना चाहिये कि संघ का जो सेवन स्टार कार्यालय बना है, उसमें लगी डेढ़ सौ करोड़ की राशि कहीं चंदा चोरी से तो अर्जित नहीं की गई है। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, मोर्चा-संगठन और प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष, बूथ लेबल कार्यकर्ता शामिल हुए।

दहेज के लिए मारपीट करके घर से निकाला, पति के विरूद्ध अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के नमनाकला, राजमोहनी वार्ड क्रमांक 12 निवासी एक विवाहिता ने पति और ससुराल वालों पर दहेज की मांग, मारपीट और जान से मारने की कोशिश का आरोप लगाया है। मनेंद्रगढ़ थाना में दर्ज नम्बरी रिपोर्ट पर गांधीनगर, अंबिकापुर थाना पुलिस ने विवेचना के बाद पति के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, एमसीबी जिला के थाना मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम डगौरा, कठौतिया निवासी लक्ष्मी ठाकुर 29 वर्ष का विवाह 03 मई 2022 को अजय कुमार ठाकुर, निवासी संत हरकेवल स्कूल के पास नमनाकला, अंबिकापुर से हिन्दू रीति-रिवाज से ग्राम खड़गवां में हुआ था। शिकायत में बताया गया कि तिलक में 25 हजार नकद, कपड़ा, जेवरात और अन्य सामान देकर विदा करने के बाद 6 महीने तक सबकुछ ठीक रहा। इसके बाद पति शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करने लगा। गला दबाकर जान से मारने की धमकी भी देता था। 27 जून 2023 को इन्हें पुत्री रत्न की प्राप्ति हुई, इसके बाद भी प्रताड़ना बंद नहीं हुई। लक्ष्मी ने आरोप लगाया कि ससुर राम कुमार भी उसे गाली देते थे और बिना बाप की लड़की है, कहते हुये मारपीट करने के लिये प्रेरित करते थे। सास, ननद भी उसे ही दोषी ठहराते आ रहे थे। लक्ष्मी के अनुसार 6 जून की रात सास-ससुर घर पर नहीं थे। इसी दौरान पति ने उससे मायके की जमीन या उसे बेचकर 50 हजार रुपये की मांग की। मना करने पर गाली देकर बेरहमी से मारपीट किया और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश करने लगा। इस दौरान घर में मौजूद भतीजे और भांजे ने बीच-बचाव किया, जिससे उसकी जान बच गई। अगले दिन 7 जून को पति ने उसे घर से निकाल दिया। ससुर ने भी कहा दुबारा 50 हजार लेकर आना, नहीं तो मत आना। मारपीट में विवाहिता का हाथ भी टूट गया था। ऑनलाइन शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद विवाहिता ने गांधीनगर अंबिकापुर थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस अग्रिम जांच कार्रवाई कर रही है।

संभागीय आबकारी उड़नदस्ता के हाथ लगा नशीली इंजेक्शन का थोक सप्लायर

ऑपरेशन क्लीन अभियान के तहत चल रही कार्रवाई के बीच आरोपी जेल दाखिल

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय आबकारी उड़नदस्ता टीम सरगुजा ऑपरेशन क्लीन के तहत नशे के सौदागरों पर बड़ी कार्रवाई करने में लगी है। इसी क्रम में आबकारी विभाग की टीम ने ब्रह्मपारा में नशीला इंजेक्शन सप्लाई करने वाले कुख्यात सप्लायर राजेश मंदिलवार उर्फ बुटन को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार करके सोमवार को जेल दाखिल कर दिया है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी 'रंजीत गुप्ता' ने बताया कि 12 जुलाई को ब्रह्मपारा निवासी आशा पांडेय से 19 नग रेक्सोजेसिक इंजेक्शन और 9 नग एविल इंजेक्शन जब्त करके उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। पूछताछ में आशा पांडेय ने बताया कि उसने नशीला इंजेक्शन मोहल्ले में पड़ोस में रहने वाले राजेश मंदिलवार उर्फ बुटन से खरीदा था। आशा के बयान के आधार पर आबकारी टीम ने उसी दिन शाम को ब्रम्हपारा निवासी राजेश मंदिलवार उर्फ बुटन को घेराबंदी करके गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद 13 जुलाई को बुटन को भी न्यायालय में पेश कर जेल दाखिल कर दिया गया है।

ब्राउन शुगर के बाद बेचने लगी इंजेक्शन

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने बताया कि पहले ब्रह्मपारा ब्राउन शुगर के लिए

कुख्यात था। अब वहां के नशा तस्कर ब्राउन शुगर की जगह नशीला इंजेक्शन बेचने में लगे हैं। इस पूरे नेटवर्क में आशा पांडे फुटकर विक्रेता थी, जबकि राजेश मंदिलवार उर्फ बुटन थोक सप्लायर था। दोनों पिछले 1-2 साल से नशीले इंजेक्शन का अवैध कारोबार कर रहे थे। बुटन अत्यंत चालाकी से काम करता था इसलिए अब तक पकड़ में नहीं आ रहा था, लेकिन आशा की गिरफ्तारी के बाद उसका भी पर्दाफाश हो गया।

जीरो टॉलरेंस नीति से कारोबारियों में हडंकम्प

सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता ने कहा कि नशीली दवाओं और नशे के कारोबार के खिलाफ आबकारी विभाग की जीरो टॉलरेंस नीति लगातार जारी रहेगी। लगातार चल रही इस कार्रवाई से नशे के कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी के साथ आबकारी उप निरीक्षक टी.आर. केहरी, सहायक उपनिरीक्षक रमेश दुबे, नगर सैनिक गणेश पाण्डेय, रणविजय सिंह, रोहित सोनवानी एवं महिला सैनिक राजकुमारी व चंद्रावती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

निर्माणाधीन पुल स्थल से पोकलेन और रोलर मशीन का सामान पार

छ.ग.फ्रंटलाइन लखनपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम परसोडी में चल रहे पुल निर्माण कार्य स्थल से अज्ञात चोरों ने पोकलेन और रोलर मशीन से कीमती सामानों की चोरी कर ली। मामले की शिकायत कासिम सिंह, निवासी ग्राम परसोड़ी ने थाना लखनपुर में दर्ज कराई है। चोरी किये गये सामानों की कीमत लगभग 31 हजार रुपये बताई गई है। शिकायतकर्ता ठेकेदार के अधीन मुंशी का काम करता है। 9 जुलाई की शाम करीब 6 बजे काम खत्म होने के बाद पोकलेन और रोलर मशीन को निर्माण स्थल पर ही खड़ा कर ऑपरेटर हॉटमेंट में चले गया था। 10 जुलाई की रात करीब 10.30 बजे सुखरी तरफ से शोरगुल की आवाज आई। पोकलेन ऑपरेटर विकास पटेल बाहर निकलकर देखने गया तो कुछ लोग मशीन के पास खड़े थे, उनके पास जाते ही सभी भाग गए। पास में मौजूद दिनेश और अनुज भी मौके पर पहुंचे। जांच करने पर उन्होंने पाया कि पोकलेन से 2 नग बैटरी कीमत 25 हजार और टूल बॉक्स 2 हजार रुपये तथा रोलर से 4 नग लाइट कीमत 4 हजार रुपये गायब था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का अपराध पंजीबद्ध कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

निजीकरण और आउटसोर्सिंग के विरोध में स्वास्थ्य कर्मचारियों का आंदोलन 22 को

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने स्वास्थ्य विभाग में निजीकरण, आउटसोर्सिंग और ठेका प्रथा के विरोध में आंदोलन का ऐलान कर दिया है। संघ ने सरकार से लंबित वेतनमान और संविदा कर्मचारियों को समान वेतन देने की मांग भी की है। प्रांताध्यक्ष अनिल पाण्डेय की अध्यक्षता और संरक्षक ओ.पी. शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को प्रदेश स्तरीय महासमिति की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। संघ ने अपनी मांगों की ओर ध्यानाकर्षण कराते हुये कहा है कि, पैथोलॉजी और फार्मेसी सेवाएं एचएलएल कंपनी को सौंपेने के बाद निजीकरण की संभावना बढ़ गई है। इससे कर्मचारियों का भविष्य खतरे में पड़ेगा। स्वास्थ्य सेक्टर में दूसरे प्रदेशों के डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल कोर्स के लिए पंजीयन की अनिवार्यता समाप्त करने से प्रदेश के युवाओं के रोजगार के अवसर कम

होंगे। फर्जी डिग्रीधारियों के प्रवेश की आशंका बढ़ेगी, जिससे इलाज की गुणवत्ता पर सवाल उठेगा। संघ ने शासन स्तर पर लंबित स्वास्थ्य कर्मचारियों के पुनरीक्षित वेतनमान को तत्काल लागू करने, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती करने की मांग की है। संघ ने संविदा और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को समान कार्य-समान वेतन देने, जीवन दीप कर्मचारियों के शोषण को रोकने के लिए स्पष्ट नीति बनाने की मांग की है। इस दौरान प्रदेश में स्वास्थ्य आयोग के गठन की भी मांग रखी गई। बैठक में कर्मचारी-अधिकारी महासंघ के संयोजक अनिल शुक्ला भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अलग-अलग विभागों में निजीकरण शुरू किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का निजीकरण कर्मचारियों के साथ-साथ आम जनता के हित में भी नहीं है। महासंघ स्वास्थ्य कर्मचारियों की सभी मांगों का पूर्ण समर्थन करता है। प्रांताध्यक्ष अनिल पाण्डेय ने सभी पदाधिकारियों और नियमित, संविदा, दैनिक वेतनभोगी, जीवन दीप कर्मचारियों से एकजुट होकर आंदोलन में साथ देने की अपील की है। पहले चरण में इनके द्वारा 22 जुलाई को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में नारेबाजी कर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और स्वास्थ्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। बैठक में प्रदेश भर के प्रांतीय पदाधिकारी, संभागीय अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

राजमाता देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव की 93वीं जयंती पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राजमाता स्व. श्रीमति देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव की 93वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उनके ज्येष्ठ पुत्र पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सरगुजा रियासत के महाराज टीएस सिंहदेव भी उपस्थित थे। राजमाता स्व. श्रीमति देवेंद्र कुमारी सिंह देव का जन्म 13 जुलाई 1933 को हिमाचल प्रदेश के जुब्बल राजपरिवार में हुआ था। अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव एवं सरगुजा महाराज स्व. एमएस सिंह देव से विवाह के बाद वे सरगुजा आई थीं। सरगुजा में उन्होंने पूरा वक्त बिताया। यहीं से उन्होंने राजनीति की शुरुआत भी की थी। कांग्रेस की राष्ट्रीय नेत्री स्व. देवेंद्र कुमारी सिंह देव एक बार अंबिकापुर व एक बार बैकुंठपुर से विधायक भी रहीं। अविभाजित मध्य प्रदेश में प्रकाशचंद्र सेठी व अर्जुन सिंह के मंत्री मंडल की वे मंत्री रहीं। उन्हें आवास, पर्यावरण, मध्यम सिंचाई, वित्त विभाग की जवाबदारी दी गई थी। महाराज स्व. एम.एस. सिंहदेव के शासकीय सेवा में होने के कारण उन्होंने सरगुजा जिले की सभी राजनैतिक और समाजिक जिम्मेदारियों को सम्हाल लिया था। वे सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष भी रही। सत्तर और अस्सी के दशक में एक महिला होने के बावजूद उन्होंने तत्कालीन सरगुजा

जिले के चप्पे-चप्पे का दौरा कर कांग्रेस के मजबूत संगठन की आधारशिला रखी थी। श्रद्धांजली के पूर्व प्रतीक्षा बस स्टैंड चौक पर पूर्व महाराज स्व. एम.एस. सिंहदेव एवं स्व. राजमाता श्रीमति देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव के युगल प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत मां महामाया मंदिर में पूजा उपरांत भण्डारे का आयोजन भी किया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह, जे.पी. श्रीवास्तव, शफ़ी अहमद, राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, संजय विश्वकर्मा, मो. इस्लाम, विनय शर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, जगन्नाथ कुशवाहा, दुर्गेश गुप्ता, मदन जायसवाल, शैलेंद्र प्रताप सिंह, फूलसाय लकड़ा, संजय सिंह, अनूप मेहता, लोकेश कुमार, आलोक सिंह, मेराज रंगरेज, जीवन यादव, विनोद एक्का, चंद्रप्रकाश सिंह, सोहन जायसवाल, सतीश बारी, बालकेश्वर तिर्की, कलीम अंसारी, आशीष जायसवाल, सरीता महंत, अविनाश कुमार, काजू खान, निखिल विश्वकर्मा, आलोक गुप्ता, रोशन कन्नौजिया, अंकित जायसवाल, वसीम अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

समभाव महिला मंच ने मेधावी छात्र-छात्राओं और राज्य स्तरीय पुरस्कार विजेताओं का किया सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। समभाव महिला मंच द्वारा सत्र 2025-2026 में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 45 छात्र-छात्राओं और राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त 26 छात्र-छात्राओं को सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम होटल पर्पल आर्किड के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका निगम की महापौर मंजूषा भगत थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एस.पी. त्रिपाठी सहायक उप संचालक, जिला रोजगार एवं मार्गदर्शन केंद्र सरगुजा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बी.के. विद्या मुख्य संचालिका, प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज, वरिष्ठ समाजसेवी मंगल पाण्डेय संयोजक नवा बिहान नशामुक्ति अभियान, वरिष्ठ पत्रकार अनंगपाल दीक्षित और डॉ. रश्मित कौर सहायक प्राध्यापक राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उपस्थित थे। महापौर मंजूषा भगत ने मेधावी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि आपने सरगुजा का नाम रोशन किया है । उन्होंने आयोजन के लिए संयोजिका वन्दना दत्ता के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि मुझे महापौर बनाने में समभाव महिला मंच का बड़ा योगदान रहा है। एस.पी. त्रिपाठी ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए निरंतर मेहनत जरूरी है। बी.के. विद्या दीदी ने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ मानवीय मूल्यों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। अनंगपाल दीक्षित ने सुझाव दिया कि उत्कृष्ट प्रदर्शन के समीप रह गए छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित करना चाहिए, ताकि वे प्रोत्साहित हों। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। रामपुर स्कूल की छात्रा ने पंडवानी प्रस्तुति देकर शमा बांध दिया। कार्यक्रम का संचालन हिना परवीन और तनु श्री मिश्रा ने और आभार प्रदर्शन डॉ. शबनम खानम ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वहीदा अहमद, अतिशी भट्टाचार्य, नेहा वर्मा सहित आयोजन समिति की सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

समभाव महिला मंच की सेवाएं -संयोजिका वन्दना दत्ता ने बताया कि समभाव महिला मंच से 150 गृहणी बहनें जुड़ी हैं। मंच रोजा इफ्तार, अन्नपूर्णा समूह के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन और सेवा किटी समूह का संचालन करता है। कोरोना काल में भी मंच ने जरूरतमंदों की मदद की थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर